दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 141
मुरादाबाद
(Friday)
11 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने प्रिंस रहीम आगा खान पंचम से की मुलाकात, स्वास्थ्य से महिला सशक्तीकरण तक बढ़ेगा सहयोग

टकराव नहीं सहयोग से होगा बदलावः अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सम्मेलन में बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को प्रिंस रहीम आगा खान पंचम से मुलाकात की। दोनों के बीच भारत और आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क के सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा हुई। स्वास्थ्य, कृषि, ग्रामीण विकास, युवा और महिला सशक्तीकरण जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। भारत दौरे पर आए प्रिंस रहीम की यह 50वें इमाम का पद संभालने के बाद पहली यात्रा है। वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात करेंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को प्रिंस रहीम आगा खान पंचम से मुलाकात की।

दोनों नेताओं के बीच भारत और आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क (एकेडीएन) के बीच अलग-अलग क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। बातचीत में स्वास्थ्य, कृषि, ग्रामीण विकास, युवाओं और महिलाओं के सशक्तीकरण जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुलाकात की जानकारी साझा की। उन्होंने प्रिंस रहीम के पिता और दिवंगत आगा खान चतुर्थ को भी याद किया और विकास के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। पीएम मोदी ने कहा कि आगा खान डेवलपमेंट नेटवर्क के साथ भारत की साझेदारी को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई।भारत और आगा खान फाउंडेशन के बीच विकास और सामाजिक क्षेत्र में कई दशकों से सहयोग चला आ रहा है। स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण जैसे क्षेत्रों में नेटवर्क की विभिन्न परियोजनाएं काम करती हैं। प्रधानमंत्री मोदी और प्रिंस रहीम की मुलाकात में इसी पुराने सहयोग को नए क्षेत्रों तक ले जाने पर जोर दिया गया। दोनों पक्षों की बातचीत से आने वाले समय में स्वास्थ्य, कृषि और ग्रामीण विकास के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं के लिए नई संयुक्त पहलों का रास्ता खुल सकता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित करते हुए पूरी दुनिया को एकजुट होकर अंतरिक्ष का इस्तेमाल करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष में टकराव के बजाय सहयोग जरूरी है। भारत 2035 तक अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने और 2040 तक चांद पर इंसान भेजने की तैयारी में है।फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी दुनिया के सामने भारत का अंतरिक्ष दृष्टिकोण रखा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अंतरिक्ष की संभावनाएं असीम हैं और इसे सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आज जैसे-जैसे अंतरिक्ष की कक्षाएं उपग्रहों से भर रही हैं, तकनीकें अधिक शक्तिशाली हो रही हैं और कई नए देश व एजेंसियां इसमें शामिल हो रही हैं, वैसे-वैसे दुनिया के सामने चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। ऐसे समय में हमारे फैसले बिल्कुल साफ होने चाहिए। हमें टकराव के बजाय सहयोग, थोड़े समय के फायदे के बजाय टिकाऊ विकास और किसी को बाहर करने के बजाय सबको साथ लेकर चलने का रास्ता चुनना होगा। भारत का अंतरिक्ष अभियान इसी सोच और सिद्धांत पर आगे बढ़ रहा है।वैश्विक मंच पर भारत ने क्या संदेश दिया? पीएम मोदी ने समिट में कहा कि भारत का नजरिया %वसुधैव कुटुंबकम% यानी %एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य% के विचार से जुड़ा हुआ है और अब इस भावना को धरती से आगे अंतरिक्ष तक ले जाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय कानूनों, बातचीत और आपसी सहयोग पर आधारित एक सुरक्षित, शांत और टिकाऊ अंतरिक्ष व्यवस्था का मजबूती से समर्थन करता है। पीएम ने जोर देकर कहा कि वैज्ञानिक आंकड़ों और जानकारियों को पूरी ईमानदारी तथा खुलेपन के साथ सभी लोगों की भलाई के लिए साझा किया जाना चाहिए। भारत का पूरा अंतरिक्ष सफर इसी लोक-कल्याणकारी सोच को दर्शाता है और इसे पूरी दुनिया तक पहुंचाना चाहता है।पीएम मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की वैश्विक उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि इसरो ने अपनी बेहतरीन और कम लागत वाली सटीक उड़ानों के दम पर पूरी दुनिया में जबरदस्त सम्मान कमाया है। इसरो की क्षमताएं सीधे तौर पर हमारे किसानों और मछुआरों के जीवन को आसान बना रही हैं। यह मौसम की भविष्यवाणी करने, आपदा प्रबंधन और सटीक दिशा-दूरी बताने (नेविगेशन) में लगातार देश और दुनिया की सेवा कर रहा है। भारत के भरोसेमंद रॉकेटों के जरिए अब तक 34 देशों के 430 से अधिक उपग्रह सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में भेजे जा चुके हैं। इसरो की तकनीक और साझेदारियां केवल भारत ही नहीं, बल्कि समूचे विश्व के काम आ रही हैं। इस भरोसे के पीछे भारत के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीशियनों की पीढ़ियों की दिन-रात की कड़ी मेहनत और पसीना है, जिन्होंने एक-एक मिशन को सफल बनाकर भारत को दुनिया के अग्रणी अंतरिक्ष देशों की कतार में गर्व से खड़ा किया है।भारत की ऐतिहासिक कामयाबियों और भविष्य के बड़े लक्ष्यों को सामने रखते हुए पीएम मोदी ने कई अहम जानकारियां साझा कीं चंद्रयान-3 मिशन के जरिए भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला दुनिया का पहला देश बना। सूर्य के रहस्यों को समझने के लिए आदित्य एल-1 मिशन अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक डटा हुआ है और आंकड़े जुटा रहा है। बीते साल एक भारतीय नागरिक ने अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (इ्स्स्) का दौरा कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। भारत ने साल 2035 तक अपना खुद का भारतीय स्पेस स्टेशन स्थापित करने का बड़ा लक्ष्य तय किया है। साल 2040 तक किसी भारतीय को चंद्रमा की सतह पर भेजने के संकल्प पर काम तेजी से जारी है। इन सभी अभियानों का एकमात्र मुख्य उद्देश्य यह है कि विज्ञान और तकनीक का पूरा लाभ समस्त मानव जाति तक आसानी से पहुंचे। निजी क्षेत्र और फ्रांस के साथ भारत की साझेदारी का भविष्य क्या होगा?-पीएम मोदी ने बताया कि आज इसरो की शानदार विशेषज्ञता के साथ-साथ भारत का निजी अंतरिक्ष क्षेत्र भी बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारतीय उद्यमों की ऊर्जा इसरो की तकनीकी शक्ति से मिलकर देश को नई ऊंचाई दे रही है। उन्होंने याद दिलाया कि 1960 के दशक में जब भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम शुरू हुआ था, तब से फ्रांस भारत का एक बेहद भरोसेमंद साझेदार रहा है। आज दोनों देशों का यह साझा काम पृथ्वी के अध्ययन (अर्थ ऑब्जर्वेशन) से लेकर कई आधुनिक तकनीकों तक फैला हुआ है, जो विज्ञान की शक्ति को मानवता के कल्याण से जोड़ता है। पीएम ने फ्रांस और पूरी दुनिया को भारत के अगले अंतरिक्ष सफर में हमसफर बनने का खुला न्योता दिया। उन्होंने कहा कि पेरिस का यह स्पेस समिट दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दे कि हम सब मिलकर खोज करेंगे, मिलकर नए आविष्कार करेंगे और आने वाली पीढ़ियों के लिए मिलकर अंतरिक्ष की रक्षा करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग लड़की के उत्पीड़न पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा- किसी आरोपी को बचाया नहीं जाना चाहिए

सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग लड़की के उत्पीड़न मामले को गंभीर मानते हुए दिल्ली और यूपी सरकार से रिपोर्ट मांगी। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि किसी आरोपी को बचाया नहीं जाना चाहिए। कोर्ट ने एफआईआर पर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जुलाई में %कॉकरोच जनता पार्टी% के विरोध प्रदर्शन में शामिल एक नाबालिग लड़की के उत्पीड़न के आरोपों को गंभीरता से लिया। कोर्ट ने कहा कि किसी को भी आपराधिक कार्रवाई करने के लिए पीड़ित या उसके परिवार को डराने-धमकाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से लड़की की एफआईआर पर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा और इस मामले पर दिल्ली और उत्तर प्रदेश सरकारों से रिपोर्ट मांगी।बेंच ने कहा, ऐसे मामलों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। अगर किसी बच्चे के खिलाफ हिंसा का मामला हो तो किसी को भी बचाया नहीं जाना चाहिए। अगर ऐसे कामों के आरोपी खुलेआम घूम रहे हों और बच्चे या उसके परिवार को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हों ताकि वे आपराधिक कार्रवाई न करें, तो यह एक गंभीर मामला होगा। कोर्ट को बताया कि सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के दौरान एक व्यक्ति ने वीडियो में दावा किया था कि उसने लड़की के पिता पर हमला किया था।

अखिलेश यादव बोले-जिलावार बनाएंगे घोषणा पत्र, सपा के कार्यक्रम नहीं होने दे रही भाजपा सरकार

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी चुनाव को लेकर भाजपा पर निशाना साधा और आकाश आनंद मामले पर भी बचकर बोले। उन्होंने कहा कि अंकल का मतलब फूफा भी होता है तो नाराज फूफा कौन है? यूपी चुनाव की तैयारियों को लेकर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि हम जिलावार घोषणा पत्र बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि हम राज्य के लिए तो घोषणापत्र बनाएंगे ही साथ ही जिलावार भी बनाएंगे जिसमें जिले के मुद्दों को प्रमुखता दी जाएगी। अखिलेश यादव ने लखनऊ में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार हमारी कार्यक्रम नहीं होने दे रही है। उन्होंने कहा कि बुलंदशहर में सपा का सावन में कार्यक्रम था। अधिकारियों ने मैदान के लिए कई बार अनुमति का आश्वासन दिया फिर सावन महीना होने के कारण कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का सुझाव दिया। सपा ने कार्यक्रम आगे बढ़ा दिया लेकिन कोई अनुमति नहीं दी गई। कहा गया कि पुलिस लाइन में पानी भरा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मैंने समझा कि शायद काली नदी की बाढ़ तो नहीं आ गई फिर अखिलेश ने पुलिस लाइन का वीडियो दिखाया जहां पानी नहीं था। अखिलेश ने कहा कि आखिर सरकार हमारे कार्यक्रम से परेशान क्यों है? हमने इससे खराब सरकार नहीं देखी। सही खबर चलाने पर रिपोर्ट दर्ज हो रही है। स्कूलों में जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। ये सरकार जाने वाली है। इसी का संकल्प हम लेते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि आकाश आनंद ने हमें अंकल कहा। जिसका मतलब फूफा भी हो सकता है। उन्होंने फूफा कौन है? कहकर व्यंग्य किया फिर कहा कि ये बसपा का अंदरूनी मामला है। किसी दूसरे दल को नहीं बोलना चाहिए।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा आरक्षण के खिलाफ है। भाजपा की नजर मदरसों पर भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि महंगाई का जवाब उनके पास नहीं है। एक अर्थशास्त्री ने जीडीपी को जीरो करार दिया है। झांसी में एक महिला की मृत्यु हो गई। व्यक्ति के पास शव ले जाने का पैसा नहीं था। दाह संस्कार के लिए पैसा नहीं था। हारकर पत्नी का शव बेतवा में बहाना पड़ा। ये कैसी जीडीपी है। अगर 7.8 प्रतिशत होती तो ये हाल न होता। उन्होंने कहा कि जीडीपी अपने दोस्तों को निवेश कर बढ़ाई जा रही है। अखिलेश ने कहा कि किसी भी दल की ओर से इतना नकारात्मक और घटिया प्रचार आज तक नहीं देखा गया। इस सरकार ने सबसे ज्यादा पत्रकारों को जेल भेजा। भाजपा चुनाव से पहले सांप्रदायिक माहौल बनाना चाहती है और महंगाई जैसी समस्या पर बात ही नहीं करती। महंगाई इसलिए कि अपने लोगों की जेब भरने में जुटे हैं इसीलिए महंगाई पर नियंत्रण नहीं है।

200 करोड़ की जमीन पर घमासानः केटीआर बोले- किसे फायदा पहुंचा रही रेवंत सरकार? राज्यपाल से मिले निलंबित विधायक

तेलंगाना विधानसभा से बीआरएस विधायकों के निलंबन के मुद्दे पर बीआरएस और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुख्यमंत्री पर बेहद ही गंभीर आरोप लगाए और विपक्ष के आवाज को दबाने की कोशिश का आरोप लगाया है।भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने गुरुवार को तेलंगाना सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बीआरएस विधायकों को विधानसभा से इसलिए निलंबित किया गया, ताकि वे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के भाई से जुड़ी कंपनी को कथित तौर पर 200 करोड़ रुपये की जमीन आवंटित किए जाने का मुद्दा सदन में न उठा सकें। केटीआर ने कहा कि विपक्षी विधायक जनता से जुड़े सवाल सदन में उठाना चाहते थे। सरकार को इसकी आशंका थी इसलिए उसने हमारे विधायकों को सदन से निलंबित करा दिया। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस कांग्रेस सरकार के उन '420 झूठे वादों' और मुख्यमंत्री के परिवार से कथित तौर पर जुड़ी कंपनी को कीमती जमीन आवंटित किए जाने के मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी में थी। वधायकों को निलंबित करने का बहाना तलाशा गया और अब बीआरएस सीधे उस जमीन पर पहुंची है, जिसे मुख्यमंत्री के भाई से जुड़ी कथित शेल कंपनी को आवंटित किया गया है।

सीएम योगी ने पंडित गोविंद वल्लभ पंत को किया याद, बोले- काकोरी के क्रांतिकारियों की मजबूती से की थी पैरवी

गोविंद बल्लभ पंत की 139वीं जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत के स्वतंत्रता आंदोलन, राष्ट्र निर्माण और उत्तर प्रदेश के विकास में योगदान का उल्लेख करते हुए उनकी स्मृतियों को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पंडित गोविंद वल्लभ पंत जी की पावन जयंती है। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार और प्रदेश की जनता की ओर से वह पंत जी की स्मृतियों को नमन करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत महान अधिवक्ता होने के साथ-साथ प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। वर्ष 1925 में काकोरी ट्रेन एक्शन के बाद ब्रिटिश हुकूमत ने क्रांतिकारियों के खिलाफ जो अभियोग दर्ज किया था, उसके खिलाफ क्रांतिकारियों की पैरवी मजबूती के साथ करने वाले महान नेताओं में पंडित गोविंद बल्लभ पंत प्रमुख थे। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, देश के पूर्व गृहमंत्री और उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत प्रमुख थे। उन्होंने देश की आजादी के आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया।सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 1937 में पंत जी को यूपी के प्रीमियर के रूप में चुना गया, लेकिन कुछ समय बाद उन्होंने पद से इस्तीफा देकर स्वाधीनता आंदोलन में अपनी सक्रिय भूमिका जारी रखी। भारत छोड़ो आंदोलन समेत समय-समय पर हुए स्वतंत्रता संग्राम के विभिन्न बड़े आंदोलनों में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में सुशासन की नींव रखी-मुख्यमंत्री ने कहा कि 1947 में देश की आजादी के साथ पंडित गोविंद बल्लभ पंत उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री बने। उस समय उत्तराखंड भी उत्तर प्रदेश का हिस्सा था। रूप में प्रस्तुत करने के साथ ही आर्थिक उन्नयन और समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों के लिए उन्होंने काम किया।

संपादकीय Editorial

How will trust be restored?

Competitive examinations in India are not merely evaluations of questions and answers. They involve years of hard work, time, money, family expectations, and future plans of millions of students. Therefore, when serious questions arise about the quality of a question paper in a national-level examination, necessitating a re-examination, it is not appropriate to simply dismiss it as an administrative error and move on. This raises the issue of the credibility and accountability of the entire examination system.

The decision to re-conduct the UGC-NET June 2026 examination in English, Commerce, and Sociology highlights this concern. A large number of candidates had complained about the question papers in these three subjects. After investigation, issues such as factual errors, typographical errors, translation problems, grammatical deficiencies, mistakes in the names of scholars and books, and repetition of previously asked questions were revealed. Due to these deficiencies, the decision to re-conduct the examinations in the respective subjects was made. This decision is justified in the immediate context, as declaring results based on a flawed question paper would be unfair to the students. But the real question goes beyond this:

how did such errors get into such an important question paper? Recent news and available information have raised questions about the Supreme Court's strictness regarding the NEET-UG question paper controversy and the need to strengthen, secure, and make the National Testing Agency's examination system more transparent. The crucial question is whether the current system is sufficiently robust and accountable to conduct examinations that jeopardize the future of millions of young people in the country.

When examination reforms are often discussed, there are talks about preventing question paper leaks, increasing surveillance at examination centers, safe transportation of question papers, and strict security arrangements.

All these measures are necessary, but a crucial question often gets left out: is the question paper itself accurate and of high quality? If a question misspells a scholar's name, a book title is incorrect, a factual error is present, a translation alters the meaning of a question, or a grammatical error makes a question ambiguous, how can a student's ability be assessed fairly? Therefore, two crucial pillars of examination credibility are the security of the question paper and the academic quality of the question paper.

As important as it is to ensure that question papers do not leave the examination center, it is equally important that the question papers that reach the examination center are factually correct, linguistically clear, syllabus-compliant, and balanced.

There is also discussion about the need for a national-level examination body to learn from the Union Public Service Commission's methodology. This does not mean that the examinations of both institutions are completely identical. The learning point lies in their institutional credibility and process strength.

Truth lies within us; conquering our minds is the only true path.

The truth and peace we seek in the external world always have a subtle hint of a silent presence deep within our being. We just need to find it. I traveled to all the countries of the world. I witnessed the hustle and bustle of metropolises, spent time in the silence of ancient temples, and experienced the silence of deserts and the heights of mountains. I questioned scholars, sat at the feet of sages, and listened to the teachings of mystics. Underlying all of this was a single question: Where is truth? Humanity's oldest and deepest aspiration has been the search for truth. From birth to death, it continues to be sought in one form or another. Some seek it in religion, some in science, some in love, some in power, and some in knowledge. I, too, was a traveler on that quest. For a long time, I believed that truth was hidden somewhere out there. I believed there must be a special place, an ashram, where this secret would be revealed. This belief led me astray. But gradually, a strange fact began to dawn on me. The people I saw true peace in weren't due to any external achievement. The serenity in their eyes wasn't derived from the world. They weren't content with possessing anything, but rather, they were content with being mastersof themselves. Most people believe that if they acquire enough wealth, honor, knowledge, or experience, they will find the truth we seek. The external world is changeable. What brings us joy today may leave us indifferent tomorrow. Desires and circumstances change constantly. If truth were dependent on all this, it would be equally unstable, but the nature of truth cannot be unstable. This is where a new door opened to my understanding. I realized that a subtle hint of the truth and peace I was searching for in the external world had been within me all along. It was a silent presence deep within my being. The problem was that my attention was wandering in every direction except where it actually existed. The human condition is like someone searching all over the house for something in their pocket. Then, suddenly, they realize that what they were looking for was right there with them. When I asked the great sages of India where truth lies, their answers varied, but pointed in the same direction. The inner journey demands courage. The person who accepts this courageous journey gradually makes a remarkable discovery. They find that their thoughts change, but they themselves are not thoughts. Their body changes with time, but the core of their consciousness remains, and within that core exists a peace that does not depend on circumstances. This is the point where the first glimpse of truth is found. Conquer your mind. Wealth, honor, knowledge, and circumstances change, but the peace within inner consciousness remains constant. The essence of life lies not in achieving achievements, but in oneself and conquering the mind. Only when we stop comparing ourselves to others, chasing desires, and expecting satisfaction from the outside world can we experience the silent presence within.

Politics and Policy: Madhya Pradesh's Rising Status in Delhi

Eight leaders from Madhya Pradesh have been given important responsibilities in the BJP's new national team. Lal Singh Arya, Gajendra Patel, Kavita Patidar, VD Sharma, Banshilal Gurjar, and others have been appointed key positions. At the administrative level, Dipti Gaur Mukherjee has been appointed Secretary of Higher Education, and Anurag Jain has been appointed CEO of NITI Aayog. Significant political and administrative changes have recently taken place in the national capital, Delhi. BJP National President Nitin Naveen has significantly increased the importance of Madhya Pradesh by including eight individuals from Madhya Pradesh in his new team. Among these eight, Lal Singh Arya has been appointed Vice President, Gajendra Patel General Secretary, Kavita Patidar Minister, VD Sharma Cell Cluster Coordinator, Banshilal Gurjar National President of the Kisan Morcha, and Ashish Usha Agarwal National Media Co-ordinator. Nitin also includes two other leaders from Madhya Pradesh in his national team. These are Tarun Chugh, the National Office Incharge (though he hails from Punjab, he is currently a Rajya Sabha member from Madhya Pradesh) and Pradeep Bhandari from Indore, who has been appointed National Media Co-ordinator. Similarly, Madhya Pradesh's administrative status has also increased at the Centre. Following the NEET exam controversy, all eyes are on the Higher Education Department, and the responsibility for this department has been assigned to Deepti Gaur Mukherjee, a 1993-batch IAS officer from the Madhya Pradesh cadre. She has been appointed Secretary of this department. Former Chief Secretary Anurag Jain, a 1989-batch IAS officer from the Madhya Pradesh cadre, has also recently been appointed CEO of the NITI Aayog. Two responsibilities simultaneously after retirement - This is perhaps the first instance in Madhya Pradesh's administrative history where a former IAS officer is assuming two important responsibilities simultaneously after retirement. We are talking about Sanjay Gupta, a 2007-batch IAS officer. He is currently the Chairman of the Cooperative Tribunal, having held this position for only three or four months. The state government has also appointed him a member of the MP RERA. This poses the question of whether he should continue in his current position or become a RERA member. The condition for both positions is that he will remain in office until the age of 65. It has been learned that the Chief Minister appointed Sanjay Gupta as a RERA member after being impressed by his work ethic. It is believed that he will likely prove more useful here. It will be interesting to see whether Sanjay Gupta remains on the Cooperative Tribunal or joins RERA as a member. While the newly appointed RERA Chairman, former senior IAS officer Shailendra Singh, and the administrative member of the Appellate Authority, former IAS officer Ravindra Singh, have assumed their positions at RERA, Sanjay Gupta has not yet assumed his duties. Bhopal's growing reputation: Somendu Bagchi, a 1993 batch Indian Foreign Service officer, was recently appointed by the central government as India's ambassador to Switzerland. Bagchi hails from Madhya Pradesh. His father, the late B.K. Bagchi, was a well-known official in the Madhya Pradesh Tourism Department. Sanjay Jaju, a 1992-batch IAS officer, is currently the Chief Secretary of Telangana. Prabhakar Raghavan, a native of Bhopal, is currently the Vice President of Google. Former RBI Governor Raghuram Rajan, former Chief Secretary of the state Parshuram, Brigadier Somesh Seth, and BHEL Executive Director Pradeep Upadhyay also studied in Bhopal. Rewa Collector Sets a New Example - Rewa District Collector Narendra Suryavanshi set a new example on the occasion of Independence Day, August 15th. Instead of hoisting the flag himself in the Collector's office, he had his stenographer perform this national task. Collector Suryavanshi believes that everyone should have the opportunity to experience these moments of pride. This initiative by Narendra Suryavanshi, a 2012-batch IAS officer, is receiving widespread praise.

Discussion of officers splitting into two groups - For the first time in Bhopal's Van Bhawan, there is widespread discussion about the officers appearing to be divided into two groups. According to sources, the two factions of the Tea Party are beginning to drift apart. It remains to be seen whether this factionalism escalates or whether reconciliation occurs in the coming days.

मुरादाबाद में बड़ा हादसा : आका भिकनपुर गांव में भरभराकर गिरा दो मंजिला मकान, मलबे में दबी महिला को किया गया रेस्क्यू

भोजपुर के आका भीकनपुर में हादसे के बाद मची चीख-पुकार, ग्रामीणों के साथ प्रशासनिक टीम ने चलाया रेस्क्यू अभियान; महिला को निजी अस्पताल में कराया गया भर्ती- मुरादाबाद के भोजपुर क्षेत्र में बारिश के बीच दो मंजिला मकान गिरने से महिला मलबे में दब गई।

ग्रामीणों और प्रशासन की टीम ने करीब ढाई घंटे के रेस्क्यू के बाद महिला को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कई दिनों तक हुई बारिश के चलते मुरादाबाद जिले के भोजपुर थाना क्षेत्र में आका भीकनपुर में दो मंजिला मकान अचानक भरभराकर गिर गया। जिसके बाद मौके पर चीखपुरक मच गई। मकान के मलबे में एक महिला के दबने की जानकारी सामने आने के बाद पर मौके पर पहुंचे ग्रामीण मलबे को हटाकर उसे बचने में जुट गए।

वहीं घटना की जानकारी मिलने पर एसडीएम सदर अभिषेक सिंह, एसपी ग्रामीण कुंवर आकाश कुमार सिंह, तहसीलदार सदर राजकुमार, सीओ ठाकुरद्वारा आशीष प्रताप सिंह, सीएचसी प्रभारी मोहम्मद अशरफ, प्रभारी निरीक्षक भोजपुर थाना संजय कुमार, प्रभारी निरीक्षक भगतपुर थाना राजीव शर्मा टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने एंबुलेंस, दो क्रेन, दो जेसीबी,फायर ब्रिगेड वाहन बुलाया और अपने निगरानी में रेस्क्यू अभियान चलाया।ग्रामीणों के अनुसार घटना में प्रभावित परिवार में कासिम 45 पुत्र हाजी मुजाहिद अपनी पत्नी ओलेबा (28वर्ष) और दो बेटे हसन एवं ज़ीशान के साथ रहता है। मकान गिरने के समय गृहस्वामी कासिम मजदूरी करने मुरादाबाद गया था। जबकि बच्चे स्कूल गए हुए थे। खेतों में भरे पानी के बीच बना मकान भरभरा कर गिरने के दौरान घर में मौजूद महिला ओबेला खातून मलबे में दब गई। ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकालने में सफलता मिली और उसे आनन फानन में इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्वाइन फ्लू से 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत, दो दिन पहले पड़ा था स्टेंट, 28 मरीज मिल चुके हैं संक्रमित

मुरादाबाद जिले में स्वाइन फ्लू के मरीज लगातार मिल रहे हैं। इससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। अभी तक जिले में दो लोगों की मौत हो चुकी है। हिमगिरी कॉलोनी निवासी 70 वर्षीय बुजुर्ग की स्वाइन फ्लू की चपेट में आने से बुधवार को मौत हो गई। बुजुर्ग पहले से टीबी, मधुमेह, ब्लड प्रेशर और हृदय की बीमारियों से पीड़ित थे।

दो दिन पहले ही उनके दिल में स्टेंट भी पड़ा था। परिजनों के मुताबिक बुजुर्ग का कांठ रोड स्थित अस्पताल में उपचार चल रहा था। मंगलवार शाम उनकी हालत में सुधार होने पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी लेकिन रात में तबीयत फिर बिगड़ गई। परिजन उन्हें दोबारा अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां स्वाइन फ्लू की जांच के लिए नमूना लिया गया। चिकित्सकों ने उनकी हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दियासके बाद परिजन उन्हें दिल्ली रोड स्थित एक निजी मेडिकल कॉलेज ले गए। यहां उपचार के दौरान बुजुर्ग की मौत हो गई। बुधवार दोपहर आई जांच रिपोर्ट में स्वाइन फ्लू के संक्रमण की पुष्टि हुई। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव ने बताया कि बुजुर्ग के हृदय में स्टेंट पड़ा था और मंगलवार को उन्हें ठीक हालत में अस्पताल से छुट्टी मिली थी।बुधवार को अस्पताल में ही उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक स्वाइन फ्लू से दो लोगों की मौत हो चुकी है। दोनों पहले से मधुमेह समेत अन्य बीमारियों से पीड़ित थे। दीनदयाल नगर निवासी प्रथमा बैंक के पूर्व प्रबंधक की 30 अगस्त को स्वाइन फ्लू से मौत हुई थी।बुधवार को अस्पताल में ही उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक स्वाइन फ्लू से दो लोगों की मौत हो चुकी है। दोनों पहले से मधुमेह समेत अन्य बीमारियों से पीड़ित थे। दीनदयाल नगर निवासी प्रथमा बैंक के पूर्व प्रबंधक की 30 अगस्त को स्वाइन फ्लू से मौत हुई थी।

उत्तराखंड से मुरादाबाद पहुंचे तेंदुए, 4 मौतों के बाद भी 50+ तेंदुओं की दहशत, गन्ने की फसल बनी नया ठिकाना

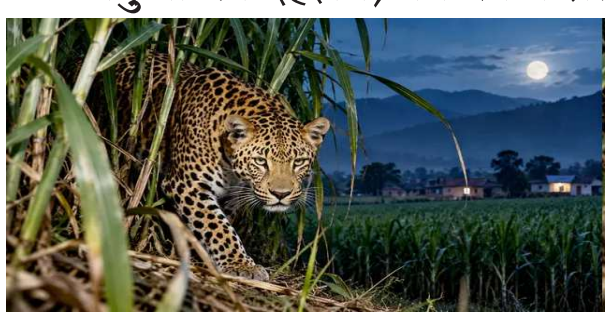

मुरादाबाद में उत्तराखंड से आए तेंदुओं ने गन्ने के खेतों को अपना नया ठिकाना बना लिया है, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ गया है। अब तक चार लोगों की जान जा चुकी है और 12 तेंदुए पकड़े जा चुके हैं, फिर भी 50 से अधिक तेंदुओं की मौजूदगी से दहशत कायम है।नौ नवंबर 2000 को उत्तर प्रदेश से अलग होकर उत्तरांचल बना और एक जनवरी 2007 को इसका नाम उत्तराखंड हुआ। राज्य बंटा तो प्रशासनिक सीमाएं भी बदल गईं, लेकिन जंगलों में वन्यजीवों की आवाजाही के लिए कोई सरहद नहीं बनी। बिजनौर का अमानगढ़ क्षेत्र और उत्तराखंड का जिम कार्बेट क्षेत्र आज भी एक-दूसरे से जुड़े वन्यजीव गलियारे का हिस्सा हैं। इन्हीं रास्तों के जरिए तेंदुओं ने मुरादाबाद के जंगलों तक पहुंच बनाई और परिवार बढ़ाता रहा। शुरूआत में वन विभाग चुप्पी साधकर बैठा रहा। अब इनसे निजात के लिए तरीके खोज रहा है। मुरादाबाद में तेंदुओं की मौजूदगी का सिलसिला करीब डेढ़ दशक पहले वर्ष 2012-13 में शुरू हुआ। कांठ के कोटा गांव में पहली बार तेंदुए ने बकरी का शिकार किया था। इसके कुछ दिन बाद ठाकुरद्वारा में रामगंगा नदी के पास एक तेंदुआ मृत मिला।इसके बाद जंगल और गांवों के बीच तेंदुओं की आवाजाही लगातार बढ़ती गई। तेंदुओं को यहां गन्ने के खेतों के रूप में नया सुरक्षित ठिकाना मिला। ऊंची और घनी गन्ने की फसल उन्हें जंगल जैसा आवरण देती रहीं। खेतों में छिपने की जगह के साथ आसपास बकरी, कुत्ते और अन्य छोटे पशु आसान शिकार भी मिल जाता है। यही वजह है कि जंगलों से निकलकर तेंदुओं ने गन्ने के खेतों को अपना आशियाना बना लिया। जंगलों में तेंदुओं की आधिकारिक गणना नहीं हुई है, लेकिन वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक अभी भी 50 से अधिक तेंदुओं की मौजूदगी का अनुमान है। मानव-वन्यजीव संघर्ष के दौरान तेंदुए के हमलों में अब तक चार लोगों की जान जा चुकी है।तीन अगस्त को ठाकुरद्वारा के लालापुर पीपलसाना में संतोष देवी, 18 अगस्त को बलिया में विरमो देवी, 25 अगस्त को इसी गांव की मिथलेश देवी और 29 अगस्त को दिव्यांग जगराज सैनी की तेंदुए के हमले में मौत हुई। इन मौतों के बाद चले अभियान में अब तक 12 तेंदुओं को पकड़ा जा चुका है। इसके बावजूद ठाकुरद्वारा और आसपास के गांवों में दहशत कायम है। किसानों के लिए सहारा बनी गन्ने की फसल अब सुरक्षा की चुनौती बन चुकी है। विशेषज्ञों ने दिए समाधान- वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि तेंदुओं की लगातार बढ़ती आवाजाही को रोकने के लिए संवेदनशील गांवों और गन्ने के खेतों को चिह्नित कर अभियान चलाते रहना होगा। पिंजरे लगाकर तेंदुओं को पकड़ने की कार्ययोजना पर आगे कार्रवाई जारी रहे। पकड़े गए तेंदुओं का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन और सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास जरूरी है। इसके लिए स्थायी रेस्क्यू सेंटर बनाया जाए। साथ ही खेतों में निगरानी, कैमरा ट्रैप और ग्रामीणों को जागरूक कर मानव-वन्यजीव संघर्ष कम किया जा सकता है।तेंदुओं की गतिविधियों वाले क्षेत्रों में वन विभाग लगातार निगरानी कर रहा है, जहां जरूरत होती है, वहां पिंजरे लगाकर तेंदुओं को रेस्क्यू किया जाता है। ग्रामीणों को भी सतर्क रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। तेंदुओं की संख्या और गतिविधियों को समझने के लिए निगरानी व्यवस्था और मजबूत की जाएगी। - आदर्श कुमार, वन संरक्षक

इस बार दीपावली पर चमकेगा मुरादाबाद का 'अलादीन चिराग', पीतल के बढ़ते दामों के बीच एडवांस बुकिंग शुरू

मुरादाबाद के बाजार में दीपावली के लिए अलादीन चिराग आकार के पीतल के दीपक और घंटियां आ गई हैं, जो ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं। पीतल के बढ़ते दामों के कारण खुदरा कारोबारी अभी से माल की बुकिंग कर रहे हैं, ताकि ग्राहकों को अधि?क कीमत न चुकानी पड़े।अलादीन ने चिराग रगड़ा तो जिन्न सामने आ गया और उसकी एक पुकार पर मनचाही चीज हाजिर हो गई। कहानी का वही जादुई चिराग इस बार मुरादाबाद के बर्तन बाजार में नए रूप में नजर आएगा। फर्क इतना है कि इस चिराग से जिन्न नहीं, बल्कि दीपावली पर रोशनी निकलेगी।

पीतल से तैयार अलादीन आकार के दीपक और घंटियां बाजार में पहुंच गई हैं। करीब 200 ग्राम वजन का अलादीन आकार का दीपक-घंटी लगभग 900 रुपये में बिक रही है। थोक दुकानों पर पीतल के पारंपरिक दीपक, घंटियां, अखंड ज्योत के साथ नए आकार और डिजाइन वाले दीपक सजने लगे हैं।रिटेल कारोबारियों ने भी बिक्री को देखते हुए पहले से माल की बुकिंग शुरू कर दी है। कारोबारी बताते हैं कि इस बार ग्राहक पूजा के सामान के साथ ऐसे दीपक भी तलाश रहे हैं, जो घर की सजावट का हिस्सा बन सकें।

अभी दीपावली में समय है, लेकिन बर्तन बाजार में त्योहार की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। पिछली दीपावली पर पीतल की शीट से तैयार अखंड ज्योत की अच्छी मांग रही थी। इस बार बाजार में इसका ढलाई वाला रूप भी उपलब्ध है।

ढलाई से तैयार अखंड ज्योत अधिक मजबूत होने के साथ अलग-अलग डिजाइन में बनाई जा रही है। इसके अलावा घंटियों और दीपकों में भी आकार को लेकर प्रयोग किए जा रहे हैं। पीतल, स्टील के बर्तन से लेकर पूजा का सामान होलसेल बाजार स्टाक हो चुका है।पीतल के दाम लगातार ऊपर-नीचे होने से दीपक और सजावटी सामान की कीमत भी स्थिर नहीं है। थोक बाजार में जिस भाव पर आज माल तैयार हो रहा है, जरूरी नहीं कि कुछ दिन बाद वही भाव रहे।

इसी वजह से कई रिटेल दुकानदार पहले ही कीमत तय कर माल बुक करा रहे हैं। कारोबारियों का कहना है कि दीपावली नजदीक आने के साथ मांग बढ़ेगी, लेकिन धातु के दाम बढ़े तो ग्राहकों को अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। बर्तन एवं दीपक कारोबारी अमरीश अग्रवाल के अनुसार, इस बार बाजार में पारंपरिक सामान के साथ डिजाइन वाले दीपक की मांग भी दिखाई दे रही है। त्योहार की खरीदारी शुरू होने के साथ नए माल की आवक बढ़ रही है। पीतल के भाव में लगातार बदलाव के कारण सामान के दाम भी रोज बदल रहे हैं।दीपावली को लेकर बाजार में नए डिजाइन के पीतल के दीपक और पूजा सामग्री का स्टाक आना शुरू हो गया है। अलादीन आकार के दीपक-घंटी जैसे नए उत्पाद ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं। पीतल महंगा होने के कारण इस बार व्यापारी पहले ही दाम तय करके माल की बुकिंग कर रहे हैं। - मनीष अग्रवाल, बर्तन एवं दीपक व्यापारी

संक्षिप्त समाचार

आजादनगर में खूंखार कुत्तों ने बच्चे पर किया हमला, लोगों में रोष

टांडा। नगर के मोहल्ला आजादनगर में खूंखार कुत्तों का भय लगातार बढ़ता जा रहा है। बुधवार सुबह करीब 10:30 बजे खूंखार कुत्तों ने एक बच्चे पर हमला कर उसे बुरी तरह घायल कर दिया। परिजन घायल बच्चे को उपचार के लिए टांडा सीएचसी लेकर पहुंचे। घटना के बाद मोहल्ले के लोगों में दहशत और रोष है। लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से खूंखार कुत्तों से निजात दिलाने की मांग की हैमोहल्ला आजादनगर निवासी इरफान की पत्नी इस्लाम ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को प्रार्थनापत्र देकर बताया कि वार्ड नंबर पांच में लंबे समय से खूंखार कुत्तों का आतंक है। कुत्ते आए दिन बच्चों, महिलाओं और अन्य लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं।बुधवार को भी कुत्तों ने एक बच्चे पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। लोगों का कहना है कि कुत्तों के झुंड गलियों में घूमते रहते हैं, जिससे बच्चों को घर से बाहर भेजने में भी अभिभावक डरने लगे हैं। नगर में खूंखार कुत्तों के हमले की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई बार बच्चे कुत्तों के हमले में घायल हो चुके हैं। फरवरी में मोहल्ला तन्डोला में घर के बाहर खेल रहे नौ वर्षीय बच्चे पर खूंखार कुत्तों के झुंड ने हमला कर दिया था। अगस्त में आजादनगर में ही घर के बाहर खेल रहे चार वर्षीय बच्चे को कुत्तों ने अपना शिकार बनाया था। वर्ष 2024 में भी प्रेमनगर में घर के बाहर खेल रहे ढाई वर्षीय बच्चे पर खूंखार कुत्तों ने हमला कर उसे घायल कर दिया था। लगातार हो रही घटनाओं के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी है।

पुलिस मुठभेड़ में पकड़ा गया आरोपी साक्ष्य के अभाव में बरी

रामपुर। पुलिस मुठभेड़ में पकड़े गए एक आरोपी को कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। मामला शाहबाद कोतवाली क्षेत्र से जुड़ा है। 31 दिसंबर 2019 को शाहबाद पुलिस ने गश्त के दौरान मुठभेड़ के बाद दो लोगों को पकड़ा था। इनमें से एक आरोपी मौके से भाग गया था जबकि दूसरे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने पकड़े गए बदमाश के कब्जे से तमंचा, कारतूस, मोबाइल, बाइक व चोरी का सामान बरामद होने का पुलिस का दावा था। पुलिस ने इस मामले में आरोपी अनीस के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से साक्ष्य पेश किए गए और आरोपी को सजा देने की मांग की गई।वहीं, बचाव पक्ष के अधिवक्ता सचिन मोहन सक्सेना ने आरोपी को निर्दोष बताया। अधिवक्ता ने बताया कि संभल के बहजोई थाना क्षेत्र के मझोला गांव निवासी अनीस को मामले में साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया है।

आबादी की जमीन को कृषि भूमि दर्शाकर रजिस्ट्री कराने की जांच शुरू

भोट। थाना क्षेत्र के पेमपुर मजरा हिम्मतनगर गांव में आबादी की जमीन को कृषि भूमि दर्शाकर रजिस्ट्री और दाखिल-खारिज कराए जाने के आरोपों की जांच शुरू हो गई है। ग्रामीणों की शिकायत पर अधिकारियों के आदेश के बाद बुधवार को रजिस्ट्रार कार्यालय की टीम गांव पहुंची। टीम ने गांव की आबादी और अभिलेखों में दर्ज जमीनों की रजिस्ट्री से संबंधित जानकारी जुटाई और ग्रामीणों से आवश्यक जानकारी ली। सोमवार को हिम्मतनगर गांव के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर शिकायत की थी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया था कि गांव में आबादी की जमीन, मकान, विद्यालय, मस्जिद और कब्रिस्तान आदि होने के बावजूद कुछ लोगों ने कथित रूप से राजस्व कर्मचारियों से मिलीभगत कर जमीन को अभिलेखों में कृषि भूमि दर्शाकर उसकी रजिस्ट्री और दाखिल-खारिज करा लिया है।

बाढ़ का संकट: गंगा-रामगंगा उफान पर, बैराज से छूटा 1.20 लाख क्यूसेक पानी; 20 से ज्यादा गांव जलमग्न

गंगा नदी में जलस्तर बढ़ने से अमरोहा और आसपास के खादर क्षेत्रों में बाढ़ का संकट गहरा गया है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त है और किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में नाव की व्यवस्था की है और राहत कार्यों में लापरवाही बरतने पर एक अधिकारी को निलंबित भी किया है।ग्रामीणों की परेशानी देखते हुए प्रशासन ने मुकरामपुर गांव में फिर भेजी नावइन दोनों गंगा खादर क्षेत्र में बाढ़ आई हुई है। जिस कारण ग्रामीण क्षेत्र में जनजीवन अस्त व्यस्त चल रहा है। इसलिए कुछ दिनों से गंगा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। उधर, देवीपुरा उर्फ मोहसनपुर-सीपिया मार्ग पर पुलिया बहने के बाद आवागमन के लिए लगाई गई नाव को हटाकर मुकरामपुर भेज दिए जाने की खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया। ग्रामीणों की परेशानी को देखते हुए मुकरामपुर भेजी गई नाव को दोबारा देवीपुरा उर्फ मोहसनपुर-सीपिया मार्ग पर भेज दिया गया। नाव के वापस पहुंचने से ग्रामीणों को काफी राहत मिली है। अब बाढ़ के पानी के बीच ग्रामीण नाव के सहारे मार्ग पार कर सकेंगे।ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया बहने के बाद से नाव ही आवागमन का प्रमुख साधन बनी हुई है। ऐसे में नाव हटाए जाने से जरूरी काम के लिए आने-जाने में काफी परेशानी हो रही थी। नाव वापस मिलने से लोगों को राहत मिली है। ग्रामीणों ने प्रशासन से बाढ़ की स्थिति सामान्य होने तक नाव की व्यवस्था बनाए रखने की मांग की है। प्रशासन की टीम क्षेत्र में जलस्तर और संपर्क मार्गों की स्थिति पर नजर बनाए हुए है।बैराज से 1,20,443 क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा गया

गजरौला = गंगा के जलस्तर में मंगलवार को एक बार फिर पांच सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई। तिगरी में गंगा का गेज बढ़कर 200.70 मीटर पर पहुंच गया है। जलस्तर अब खतरे के निशान 202 मीटर से महज 1.30 मीटर नीचे रह गया है। जलस्तर बढ़ने से खादर क्षेत्र के गांवों के खेतों में पहले से भरे बाढ़ के पानी में और इजाफा हो गया है। इससे किसानों की चिंता भी बढ़ गई है। बिजनौर स्थित चौधरी चरण सिंह बैराज से मंगलवार को 1,20,443 क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा गया। इससे आने वाले समय में जलस्तर में और वृद्धि की आशंका बनी हुई है। सोमवार को बैराज से 1,32,811 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। अधिक मात्रा में पानी छोड़े जाने के चलते मंगलवार को गंगा के जलस्तर में वृद्धि की संभावना पहले ही जताई गई थी। बाढ़ ड्यूटी में लापरवाही पर संग्रह अनुसेवक निलंबित- स्वार= बाढ़ और आपदा के दौरान ड्यूटी में लापरवाही बरतना तहसील के संग्रह अनुसेवक राजपाल सिंह को भारी पड़ गया। पसियापुरा गांव में बाढ़ संबंधी ड्यूटी के दौरान जिम्मेदारी का ठीक से निर्वहन नहीं करने और वसूली कार्य में ढिलाई बरतने के आरोप में एसडीएम राजकुमार भाष्कर ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। एसडीएम ने कहा कि बाढ़ और आपदा जैसी परिस्थितियों में प्रशासनिक कर्मचारियों की जिम्मेदारी सामान्य दिनों से अधिक होती है। प्रभावित लोगों तक समय से सहायता पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। ड्यूटी में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी कर्मचारियों को अपने दायित्वों का गंभीरता से पालन करने के निर्देश दिए हैं। बाढ़ में डूबीं पशुशालाएं, भूसा सड़ा तो गहराने लगा चारे का संकट- जुनावई = नरौरा बैराज से लगातार छोड़े जा रहे पानी के कारण तटवर्ती गांवों में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। रतोतापुर और बझांगी गांव में बाढ़ का पानी कई किसानों की पशुशालाओं में घुस गया है। इससे पशुओं को सुरक्षित स्थान पर बांधने के साथ ही चारे का संकट भी खड़ा हो गया है। पशुशालाओं में रखी भूसे की बोंगियां पानी में भीगकर खराब हो गईं, जिससे किसानों को हजारों रुपये का न सान हुआ है। रतोतापुर निवासी किसान भरोसेराम ने बताया कि पशुशाला में पानी भरने से करीब 20 हजार रुपये कीमत का भूसा खराब हो गया। ग्रामीण मुकेश शर्मा के अनुसार गांव में एक दर्जन से अधिक किसानों का भूसा खराब हुआ है। बझांगी निवासी सोहन पाल सिंह ने बताया कि पानी बढ़ने पर पशुओं को निकालकर काशीपुर-साधुमढ़ी लिंक रोड पर बांधना पड़ रहा है ग्रामीणों ने बताया कि जिन किसानों का भूसा ऊंचे स्थानों पर सुरक्षित है, उनसे मांगकर प्रभावित किसान पशुओं का पेट भर रहे हैं। वहीं, उदिया नगला निवासी मदनपाल सिंह ने बताया कि पुष्पेंद्र कुमार की पशुशाला में भी पानी पहुंच गया है, जिससे उन्हें पशुओं और जरूरी सामान को रिश्तेदारों के यहां ले जाना पड़ा। रघुपुर पुख्ता गांव में भी चारों ओर बाढ़ का पानी पहुंच गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल पशु चारे की व्यवस्था कराने और फसलों व भूसे के नुकसान का सर्वे कराकर आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मीरगंज के गौशाला में पहुंचे डीएम अविनाश सिंह; चारा-पानी की व्यवस्था जांची, अफसरों को दिए दो-टूक निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। नदियों और नालों के बढ़ते जलस्तर ने जहां प्रशासन की धड़कनें बढ़ा दी हैं, वहीं बेजुबानों की सुरक्षा को लेकर भी जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। गुरुवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने तहसील मीरगंज के ग्राम पंचायत पहुंचा बुजुर्ग स्थित अस्थायी गौशाला का औचक स्थलीय निरीक्षण किया। मौके पर पहुंचकर डीएम ने न सिर्फ व्यवस्थाओं की नब्ज टटोली, बल्कि बाढ़ के संभावित खतरे को देखते हुए गोवंशों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने का कड़ा निर्देश जारी किया। जमीनी हकीकत परखी, चारा-पानी की जांच- निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गौशाला में मौजूद गोवंशों की कुल संख्या का मिलान कराया। इसके साथ ही पशुओं के रख-रखाव, शेड की स्थिति, नियमित साफ-सफाई और उनके स्वास्थ्य परीक्षण का पूरा ब्योरा लिया। डीएम खुद उस जगह पहुंचे जहां हरा चारा और भूसा स्टोर किया गया था। उन्होंने साफ लफ्जों में कहा कि चारे की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा; गोवंशों को समय पर भरपेट चारा और 24 घंटे स्वच्छ पेयजल मिलना चाहिए। ?लापरवाही पर नपेंगे अफसर- अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए डीएम ने कहा कि शासन की मंशा के अनुसार गौशालाओं में हर हाल में सुरक्षित और अनुकूल माहौल होना चाहिए। किसी भी गोवंश की बीमारी या समस्या पर तत्काल पशु चिकित्सक की टीम मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्पष्ट किया कि मॉनिटरिंग में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ?बाढ़ का साया, सुरक्षित शिफ्टिंग के आदेश- क्षेत्र में जलस्तर के लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव को देखते हुए जिलाधिकारी ने संवेदनशीलता दिखाई। उन्होंने बाढ़ और जल निगम के अफसरों से हालात का जायजा लेते हुए निर्देश दिया कि गौशाला परिसर में पानी का खतरा बढ़े, उससे पहले ही सभी संरक्षित गायों को योजनाबद्ध तरीके से दूसरी सुरक्षित गौशालाओं में स्थानांतरित किया जाए। ?निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) देवयानी, उप जिलाधिकारी मीरगंज निधि शुक्ला, सीओ मीरगंज, जल निगम व बाढ़ खंड के अधिशासी अभियंता सहित तमाम संबंधित विभागों के अधिकारी मौके पर मुस्तैद रहे।

14 सितंबर से जाट रेजिमेंट सेंटर पर अग्निवीर भर्ती, इन युवाओं के लिए मौका

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। भारतीय सेना में शामिल होकर देश की रक्षा करने का जुनून पाले नौजवानों के लिए अच्छी खबर है। बरेली छावनी स्थित जाट रेजिमेंट सेंटर में अग्निवीर भर्ती होने जा रही है। तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। आगामी 14 से 30 सितंबर तक सेना भर्ती रैली आयोजित की जाएगी। इसमें 12 जिलों के वे अभ्यर्थी शामिल होंगे, जिन्होंने जून में हुई ऑनलाइन साझा प्रवेश परीक्षा पास की है। रैली में अग्निवीर सामान्य ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी और अग्निवीर ट्रेड्समैन (आठवीं और दसवीं पास) के अभ्यर्थी शामिल होंगे। अग्निवीर लिपिक और स्टोर कीपर तकनीकी की भर्ती रैली 5 अक्तूबर को रुड़की स्थित बीईजी सेंटर में होगी। जाट रेजीमेंट सेंटर पर होने वाली भर्ती रैली में बरेली के अलावा बदायूं, पीलीभीत, शाहजहांपुर, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, फर्रुखाबाद, संभल, बहराइच, बलरामपुर और श्रावस्ती के युवा शामिल होंगे। 14 सितंबर को अग्निवीर तकनीकी के लिए बरेली, बदायूं, फर्रुखाबाद, हरदोई और संभल के अभ्यर्थी पहुंचेंगे। 15 सितंबर को तकनीकी भर्ती के लिए सीतापुर, पीलीभीत, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती, शाहजहांपुर और लखीमपुर खीरी के साथ सभी जिलों के ट्रेड्समैन अभ्यर्थियों की भर्ती प्रक्रिया में शामिल होंगे। इसके बाद 16 से 25 सितंबर तक अग्निवीर सामान्य ड्यूटी के लिए अलग-अलग जिलों और तहसीलों के अभ्यर्थियों की रैली होगी। बरेली के युवाओं की सामान्य ड्यूटी भर्ती 24 और 25 सितंबर को होगी। अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र में दी गई तारीख और समय पर मूल दस्तावेजों के साथ पहुंचना होगा। दलाल-बिचौलियों से रहें दूर - बरेली में अग्निवीर भर्ती परीक्षा से पहले सेना ने अभ्यर्थियों को दलाल और बिचौलियों से आगाह किया है। अभ्यर्थी अपने प्रवेश पत्र और जरूरी दस्तावेजों के साथ भर्ती स्थल पर पहुंचें। किसी दलाल या बिचौलिए के चक्कर में न पड़ें। अगर कोई किसी भी तरह का प्रलोभन देता है तो उसकी तुरंत सूचना दें।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

उफान पर अरिल नदी पुल के ऊपर से बहने लगा पानी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली । बारिश के बाद नदियां उफान पर हैं। शहर में जलभराव से राहत के बाद अब नदियों का बढ़ता जलस्तर प्रशासन की चिंता बढ़ाए है।

हरुनगला और पथरा के बीच अरिल नदी का बहाव काफी तेज हो चला है। हालात ये हैं कि पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। जिला प्रशासन ने बाढ़ राहत-कार्य तेज कर दिए हैं। करीब 40 बाढ़ चौकियां स्थापित की हैं, जो तटीय क्षेत्र पर नजर बनाए हैं। उधर, रामगंगा का जलस्तर भी लगातार बढ़ता जा रहा है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के मुताबिक बुधवार सुबह 8 बजे चौबारी में रामगंगा का जलस्तर 160.830 मीटर दर्ज किया गया था। पिछले दिनों की तुलना में जलस्तर बढ़ने का क्रम जारी है। यहां चेतावनी स्तर 162.070 मीटर और खतरे का निशान 163.070 मीटर है। हालांकि अभी खतरे की स्थिति नहीं है। सनद रहे कि वर्ष 2010 में रामगंगा का सर्वाधिक जलस्तर 162.820 मीटर दर्ज किया गया था।

कटान के खतरे पर डीएम सख्त, ओवरहेड टैंक की सुरक्षा के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। तहसील मीरगंज के ग्राम पहुंचा बुजुर्ग में बढ़ते जलस्तर और नदी के कटान से उत्पन्न खतरे को देखते हुए जिलाधिकारी

अविनाश सिंह ने ओवरहेड टैंक का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को टैंक की सुरक्षा के लिए तत्काल प्रभावी सुरक्षात्मक कार्य कराने के निर्देश दिए। डीएम ने संवेदनशील कटान स्थलों पर विशेष निगरानी रखने तथा फ्लड फाइटिंग कार्य समयबद्ध ढंग से कराने को कहा, ताकि ओवरहेड टैंक सुरक्षित रहे और पेयजल आपूर्ति प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़ी परिसंपत्तियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान सीडीओ देवयानी, एसडीएम मीरगंज निधि शुक्ला, सीओ मीरगंज अजय कुमार, अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) आकांक्षा सिंह, अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड नीरज कुमार लांबा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

युवती ने दूसरे समुदाय की महिला पर लगाया धर्म-परिवर्तन का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। धर्म-परिवर्तन को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाले बरेली शहर में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। एक युवती ने दूसरे समुदाय की एक महिला पर धर्म परिवर्तन कराने का गंभीर आरोप लगाया है। युवती का दावा है कि करीब 8 साल पहले उसे कलमा पढ़ाया गया था। अब उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। एसएसपी के आदेश पर किला थाने में महिला के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मामला किला थाना क्षेत्र का है। महिमा गुप्ता नाम की युवती के मुताबिक करीब 8 साल पहले उसका अपने पिता नरेश गुप्ता के साथ विवाद हो गया था। फरहा बेगम उर्फ लक्की नाम की एक महिला पढ़ाई के सिलसिले में अक्सर हमारे घर आती थीं। जब पिता के साथ मेरा विवाद हुआ तो फरहा ने मुझे उनके खिलाफ भड़काया। अपने घर लेकर गईं। मुझे रहने का ठिकाना दिया। युवती का आरोप है कि इसी दरम्यान फरहा ने कुछ कागज तैयार कराए थे। वर्ष 2018 से मैं फरहा बेगम के साथ ही घर में रह रही हूं। महिमा का आरोप है कि फरहा ने मुझे मस्जिद ले जाकर कलमा पढ़ाया। धर्म परिवर्तन कराकर अपने साथ रखा था। रक्षाबंधन पर जुल्म किया - लेकिन पिछले कुछ समय से फरहा ने उन्हें प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। आरोप है कि रक्षाबंधन पर उसे कमरे में बंद कर दिया। तेज आवाज में डीजे बजाकर उसकी पिटाई की। महिमा ने अपनी शिकायत में कहा कि अगले दिन मौका देखकर मैं अपने पिता के घर पहुंचीं। उन्हें पूरा घटनाक्रम बताया और तब से मैं पिता के साथ ही रह रही हूं। महिमा का आरोप है कि पिता के घर आने के बाद भी फरहा बेगम ने उसका पीछा नहीं छोड़ा। वह लगातार परेशान कर रही है। धमका रही है। गाली-गलौज करती है। पुलिस को भी सूचना दी गई, लेकिन तब तक वह भाग जाती हैं। झूठा मुकदमा और हत्या की धमकी- महिला का आरोप है कि उन्हें लगातार धमकी मिल रही है। अलग-अलग फोन से धमकी भरी कॉल आ रही हैं। उनका दावा है कि फरहा ने कथित रूप से उन्हें जान से मारने या झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी दी है। बहरहाल, यह मामला काफी पेचीदा है और पुलिस पूरे प्रकरण की जांच में जुट गई है।

एसएसपी ने दौड़ाई ट्रांसफर ट्रेन 67 दरोगाओं को किया इधर से उधर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। पुलिस महकमे में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। एसएसपी अनुराग आर्य के आदेश पर एक साथ 67 उपनिरीक्षकों यानी दरोगाओं के कार्यक्षेत्र और तैनाती में बदलाव किया गया है। इस बड़े फेरबदल के तहत कई पुलिसकर्मियों को थानों और चौकियों में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जबकि कई स्थानों पर नए प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। एक साथ इतनी बड़ी संख्या में दरोगाओं के तबादले के बाद पुलिस विभाग में हलचल तेज हो गई है। माना जा रहा है कि इस फेरबदल से थानों और चौकियों की कार्यप्रणाली में व्यापक बदलाव देखने को मिल सकता है। तत्काल नई तैनाती स्थल पर पहुंचने के निर्देश एसएसपी कार्यालय की ओर से तबादला किए गए सभी उपनिरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से अपनी नई तैनाती वाली जगह पर पहुंचकर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।आदेश में यह भी कहा गया है कि नई तैनाती के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के बाद उसकी अनुपालन आख्या गोपनीय कार्यालय में उपलब्ध कराई जाए। पुलिस प्रशासन ने तबादला आदेश को गंभीरता से लागू करने के निर्देश दिए हैं,ताकि नई तैनाती वाले स्थानों पर पुलिस व्यवस्था प्रभावित न हो।

UP के प्रथम CM भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पंत की 139 वीं जयन्ती के अवसर पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पंत की 139वीं जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय एवं जे.सी.आई. झुमका सिटी, बरेली द्वारा युवा संगठन राजनीतिक संगठनों की तुलना में अधिक स्थायी और गहरा सामाजिक बदलाव ला सकते हैं शीर्षक पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जे.सी.आई. झुमका सिटी, बरेली की अध्यक्षा नुपूर गर्ग, डॉ. अंकुर गर्ग, प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल, कार्यक्रम आयोजन मे प्रहलाद अग्रवाल, अरविंद , कैलाश , सभासद ठाकुर धर्मवीर सिंह, सतीश माहेश्वरी, मोहित माहेश्वरी, कपिल यादव सहित मोहल्ले के लोगो का सहयोग रहा।। समन्वयक डॉ. रेशू जौहरी द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। प्राचार्य ने आये हुए सभी गणमान्य सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि पं. गोविन्द बल्लभ पंत ने अपने विचारो, नेतृत्व एवं जनसेवा के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। आज का युवा कल का भविष्य है और वही आने वाले समय में नीतियों का निर्धारण करेगा। इस अवसर पर जे.सी.आई. झुमका सिटी, बरेली की अध्यक्षा ने अपने उद्बोधन में कहा कि जे.सी.आई. छात्रों को एक ऐसा मंच प्रदान करता है जिससे वह अपने चहुँमुखी विकास के साथ-साथ विष्व में ख्याति प्राप्त कर सकते है। आज के इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के 35 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया जिसमें से बी.सी.ए. की छात्रा निधि कश्यप को उत्कृष्ट प्रदर्षन हेतु प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया वहीं बी.बी.ए. की हुजैफा आलम को द्वितीय, बी.कॉम. के छात्र आदित्य अग्रवाल को तृतीय तथा बी.ए.सी. की छात्रा वैभवी सक्सेना को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मंच संचालन डॉ. रेशू जौहरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संचित कक्कड़, डॉ. गुन्जन अग्रवाल, डॉ. सुमित अग्रवाल, अजीत सिंह, शोभित अग्रवाल, डॉ. पूजा , डॉ. अरविन्द कुमार , संजीव , रितू सिंह, प्रफुल्ल पाठक, लक्ष्य सक्सेना, सुश्रुता भुनिया आदि उपस्थित रहे।

15 दिवसीय कौशल सुधार प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ, छात्र-छात्राओं को मिलेगा निशुल्क प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। गुरुवार को कस्बे के गीता पैलेस में उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित 15 दिवसीय कौशल सुधार प्रशिक्षण केंद्र का समारोहपूर्वक उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ठाकुर अबोध सिंह रहे। इस अवसर पर कहा कि सरकार द्वारा छात्र-छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कौशल विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को इन योजनाओं का लाभ उठाकर प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ब्यूटी पार्लर, सिलाई एवं जरी का कार्य निशुल्क सिखाया जाएगा। साथ ही प्रत्येक आवेदक को 250 रुपये की धनराशि भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण युवाओं को हुनरमंद बनाने के साथ उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सहायक होंगे। समारोह में मंडलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षक शाहजहांपुर शिवदत्त शुक्ला, ग्रामोद्योग अधिकारी बरेली सतेंद्र सिंह, शिवराव सिंह, गोपाल चौहान, पिंकी चौहान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

धूमधाम से मनी कान्हा की छठी, कढ़ी-चावल का हुआ भंडारा

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। कस्बे मे गुरुवार को भगवान श्रीकृष्ण की छठी का पर्व श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जगह-जगह कढ़ी-चावल के भंडारे आयोजित किए गए। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण को कढ़ी-चावल का भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया। कस्बे के मोहल्ला साहूकारा स्थित मढ़ी मंदिर पर कढ़ी चावल का भंडारा किया गया। जिसमें तमाम श्रद्धालु व बच्चों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारों में नगर और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस दौरान श्रीकृष्ण के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर भगवान श्रीकृष्ण से सुख-समृद्धि की कामना की। भंडारा

परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद को शहादत दिवस पर किया नमन

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी।बृहस्पतिवार को कस्बा में परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद के शहादत दिवस पर उन्हें याद किया गया। जानकारी के मुताबिक एक जुलाई 1933 को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के ग्राम धामुपुर में जन्मे वीर अब्दुल हमीद की शहादत को हर कोई जानता है। 10 सितंबर 1965 को भारत-पाक युद्ध में पंजाब के तरन तारन के खेमकरण में उन्होंने 7 पाकिस्तानी टैंक ध्वस्त कर देश के लिए प्राण न्योछावर कर दिए थे।जिसके चलते कस्बा के अधिवक्ता इमरान अंसारी के घर एक कार्यक्रम के दौरान उनके चित्र पर फूल मालाएं चढ़ाकर उनको लोगो ने नमन करने के बाद उनके पद चिह्नों पर चलने का संकल्प दोहराया।इस मौके पर इमरान अंसारी ने कहा देश के लिए प्राण देने वाले सपूत से प्रेरणा लेनी चाहिए। युवा पीढ़ी को उनके जीवन से शिक्षा लेनी चाहिए। इस मौके पर डॉ. गयास अहमद, अमजद खां गुरु जी, असद अंसारी, आफताब आलम, वसीम, इलियास, प्रेमपाल गंगवार, अमान अंसारी, सरदार अजहरी, फैजुल अंसारी, मयंक गंगवार, आकिब सकलैनी, दक्ष गंगवार आदि ने उन्हें याद कर श्रद्धांजलि दी।

साईं धाम में हुआ विशेष संकीर्तन

बिलारी । नगालिया रोड स्थित साईं धाम में बृहस्पतिवार को विशेष संकीर्तन का आयोजन किया गया। भक्तों ने बाबा साईंनाथ का गुणगान कर श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा-अर्चना की। कमल शर्मा ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराई। इसके बाद ढोलक, मजीरे और चिमटे की धुन पर बाबा के सुंदर भजनों की प्रस्तुति की गई। 'शिरडी वाले साईं बाबा आया हूं तेरे दर पर सवाली' और 'शिरडी के साईं बाबा के दरबार के सदके, दीदार के सदके' आदि भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। संकीर्तन के दौरान महिलाएं भक्ति में झूमती नजर आईं। इस अवसर पर ममता सिंह, सुनीता, आभा, रमा सिंह, ममता सिंह, शालिनी , नीलम दयावती , बबीता , राजकुमारी शर्मा, पदमा शर्मा, क्रांति देवी आदि मौजूद रहीं। संकीर्तन के आयोजन में कांता प्रसाद शर्मा, श्यामलाल शर्मा आदि ने सहयोग किया।

हाईवे से अतिक्रमण हटाने की मांग, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बिलारी। हाईवे से अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर नागरिक परिषद बिलारी के पदाधिकारियों ने गुरुवार को एसडीएम प्रिंस वर्मा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में गांधी पार्क के पास हाईवे की भूमि से अवैध अतिक्रमण, अस्थायी दुकानें और निर्माण हटाने की मांग की गई। पदाधिकारियों ने भारतीय राजमार्ग अधिनियम तथा सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का हवाला देते हुए राजमार्ग की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की।

एसडीएम प्रिंस वर्मा ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान डॉ. राकेश रफीक, संयोजक जितेंद्र कुमार दक्ष, सभासद राकेश यादव, ग्राम प्रधान माजिद हुसैन, रंजीत यादव आदि मौजूद रहे।

हमीरपुर में नाली निर्माण को लेकर पूर्व सपा और वर्तमान भाजपा चेयरमैन भिड़ीं, सड़क पर हुई हाथापाई

नाली निर्माण को लेकर हमीरपुर में पूर्व सपा चेयरमैन माया वाल्मीकि और वर्तमान भाजपा चेयरमैन आशा रानी कबीर के बीच विवाद हो गया। पूर्व चेयरमैन के घर के बाहर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए।कहासुनी के बाद विवाद इतना बढ़ा कि सड़क पर दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

बताया जा रहा है कि पूर्व चेयरमैन माया वाल्मीकि के घर के बाहर नाली निर्माण का काम कराया जा रहा था। इसी को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और दोनों के बीच हाथापाई होने लगी। मौके पर मौजूद लोगों ने विवाद को शांत कराने का प्रयास किया। जल निकासी के लिए नाली पर किए गए निर्माण को लेकर पूर्व और मौजूदा नगर पंचायत अध्यक्ष बृहस्पतिवार को सार्वजनिक स्थल पर आमने-सामने आ गईं। दोनों के बीच पहले कहासुनी हुई और देखते

ही देखते हाथापाई शुरू हो गई। इस दौरान ईंट से मारने का प्रयास किए जाने की बात भी सामने आई है। मौके पर मौजूद लोग तमाशबीन बने रहे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। दोनों पक्षों ने पुलिस को शिकायती पत्र दिए हैं।बृहस्पतिवार सुबह करीब 11:45 बजे नगर पंचायत अध्यक्ष आशा रानी कबीर कर्मचारियों और जेसीबी के साथ वार्ड नंबर नौ के बस स्टैंड नई बस्ती इलाके में जलभराव की समस्या देखने पहुंची थीं। वार्ड के लोगों ने जल निकासी बाधित होने की शिकायत की थी। नगर पंचायत की टीम नाली से पानी का बहाव सुचारु कराने के लिए मौके पर पहुंची थी।इसी दौरान पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष और सपा नेत्री माया वाल्मीकि से नाली के पानी के बहाव को लेकर कहासुनी हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कुछ ही देर में दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। दोनों तरफ से जमकर हाथ चले और ईंट उठाकर मारने का प्रयास भी किया गया।

मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया। नाली पर निर्माण से पानी का बहाव था बाधित- बताया गया कि नाली पर पट्टी बनी होने के कारण पानी की निकासी प्रभावित हो रही थी। दो दिन पहले नगर पंचायत कर्मचारियों ने पट्टी हटाई थी। इसके बाद पूर्व अध्यक्ष माया वाल्मीकि की ओर से घर के सामने नाली के पास नया निर्माण कराए जाने की बात सामने आई। इसी को लेकर नगर पंचायत की टीम मौके पर पहुंची थी। पूर्व अध्यक्ष का आरोप- मकान और गार्डन गिराने आई थीं पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष माया वाल्मीकि ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत अध्यक्ष उनके मकान को गलत तरीके से बना होने और नाली में ईंटों की दो पट्टियां व गार्डन होने की बात कहकर गिराने की कोशिश कर रही हैं।

उनका आरोप है कि पहले भी उनकी गैरमौजूदगी में जेसीबी चलाकर मकान को प्रभावित किया गया था। बृहस्पतिवार को भी टीम इसी उद्देश्य से पहुंची थी। विरोध करने पर अध्यक्ष ने उनका हाथ पकड़कर घसीटा और मारपीट की। अध्यक्ष बोलीं- जल निकासी खुलवाने पर विवाद हुआ- नगर पंचायत अध्यक्ष आशा रानी कबीर का कहना है

कि वार्डवासियों की जलभराव की शिकायत पर वह कर्मचारियों और जेसीबी के साथ मौके पर पहुंची थीं। उनके अनुसार नाली में गुम्मा लगाकर पानी का बहाव रोका गया था। इसे खुलवाने की बात कहने पर माया वाल्मीकि गाली-गलौज करने लगीं और ईंट लेकर मारने दौड़ीं। अध्यक्ष ने सरकारी कार्य में बाधा डालने और मारपीट का आरोप लगाया है।

गृहकर प्रभारी ने भी दिया शिकायती पत्र- गृहकर प्रभारी अनुरुद्ध पांडेय ने भी पुलिस को शिकायती पत्र दिया है। उनका कहना है कि वह अध्यक्ष और जेई के साथ जल निकासी का निरीक्षण करने पहुंचे थे। इसी दौरान पूर्व अध्यक्ष माया वाल्मीकि अध्यक्ष से विवाद करने लगीं और उनके साथ भी अपशब्द कहे। उन्होंने आरोप लगाया कि माया वाल्मीकि मारने के लिए दौड़ीं और एससी-एसटी एक्ट में फंसाने की धमकी दी। गृहकर प्रभारी ने झूठे मुकदमे में फंसाए जाने की आशंका भी जताई है। स्थानीय लोगों ने भी रखी अपनी बात- वार्ड नंबर नौ के बस स्टैंड नई बस्ती निवासी सत्येंद्र सिंह, उमेश, मुंशीलाल, रंजना समेत अन्य लोगों ने कहा कि पूर्व अध्यक्ष के घर के सामने नाली जाम होने से पानी की निकासी प्रभावित हो रही थी। इसी समस्या की शिकायत वार्डवासियों ने नगर पंचायत से की थी। स्थानीय लोगों ने पूर्व अध्यक्ष और उनके पति पर अभद्र भाषा के इस्तेमाल और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।दोनों पक्षों से मिले शिकायती पत्र- थानाध्यक्ष कुरारा प्रिंस दीक्षित ने बताया कि वार्ड नंबर नौ में विवाद की सूचना पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। उस समय वार्ड की स्थिति सामान्य थी। दोनों पक्षों की ओर से शिकायती पत्र मिले हैं। पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सामने आया खौफनाक वीडियो: यूपी में पुलिस चौकी के बाहर युवक ने खुद को लगाई आग, मोनू ने क्यों उठाया ये कदम?

पुलिस चौकी के बाहर मोनू द्वारा खुद को आग लगाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वायरल वीडियो में दिख रहा है मोनू ने पहले अपने ऊपर पेट्रोल डाला। फिर माचिस की तिल्ली जलाकर खुद को आग लगा ली।यूपी के गाजियाबाद स्थित थाना खोड़ा क्षेत्र की नेहरू गार्डन चौकी पर गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दो पक्षों के बीच चल रहे विवाद के दौरान एक व्यक्ति ने चौकी से बाहर निकलकर खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। वहां मौजूद पुलिस कर्मियों ने किसी तरह आग बूझाकर युवक को अस्पताल में भर्ती कराया। पुरानी रंजिश को लेकर दोनों पक्षों में देर रात फिर से विवाद हो गया था। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ खोड़ा पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पानी वालों से चल रहा था विवाद- खोड़ा के नेहरू

गार्डन कॉलोनी में मोनू परिवार के साथ रहते हैं। कॉलोनी में रहने वाले पानी का काम करने वाले कुछ लोगों से उनका पुराना विवाद चल रहा है। पुराने विवाद को लेकर देहरादून में फिर से झगड़ा हो गया। झगड़े के बाद दोनों पक्ष नेहरू गार्डन पुलिस चौकी पहुंचे। यहां दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ शिकायत दी। चौकी में बिगड़ी बात- शिकायत के बाद दोनों पक्षों को पुलिस चौकी बुलाया गया। दोनों पक्षों में चौकी में बातचीत हो रही थी। तभी मोनू गुस्से में होकर चौकी से बाहर आया और अपने पेट्रोल डालकर माचिस से आग लगा ली। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाई और युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। चिकित्सकों ने उसकी हालत सुरक्षित और खतरे से बाहर बताई है। पुलिस का बयान- एसीपी इंदिरापुरम (कार्यवाहक) अमित सक्सेना ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच बुधवार रात किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। मामले में दोनों पक्षों ने अपने-अपने प्रार्थना पत्र पुलिस को दिए थे। मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ - पुलिस चौकी के बाहर मोनू द्वारा खुद को आग लगाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वायरल वीडियो में दिख रहा है मोनू ने पहले अपने ऊपर पेट्रोल डाला। फिर माचिस की तिल्ली जलाकर खुद को आग लगा ली। मोनू के पास खड़े हुए कुछ लोग उसका फोन से वीडियो बना रहे थे। आग लगाते ही शोर शराबा शुरू हो गया। तभी पुलिसकर्मी बाहर आए और आग को बुझने लगे।

मारपीट कर की बर्बरता: टिकट बुक कराने आई युवती से दुष्कर्म, पांच पर प्राथमिकी

युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। भीखेपुर चौराहे से ले जाकर पीटा फिर बर्बरता की। पीड़िता की हालत गंभीर होने पर कानपुर रेफर किया गयाकोतवाली क्षेत्र में बस का टिकट बुक कराने आई एक युवती से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पिटाई से घायल युवती का कानपुर के अस्पताल में इलाज जारी है। एक गांव निवासी युवक ने कोतवाली पुलिस को बताया कि पांच सितंबर की शाम उसकी बहन गुड़गांव जाने के लिए बस का टिकट बुक कराने भीखेपुर चौराहे पर पहुंची थी। आरोप है कि इसी दौरान गांव रतनीपुर निवासी सतेंद्र कुमार, अपने चार अन्य साथियों के साथ उसे टिकट बुक कराने के बहाने बिरहूनी रोड स्थित गेस्ट हाउस के आगे सुनसान इलाके में ले गया। वहां आरोपियों ने युवती के साथ दुष्कर्म किया। युवती के विरोध करने पर उसको पीटा और अभद्रता की।वारदात के बाद आरोपी युवती को मरणासन्न हालत में अजीतमल के एक निजी चिकित्सक के पास छोड़कर भाग गए थे। मोबाइल पर आए मैसेज से परिजन को घटना की जानकारी मिली। इसके बाद परिजन तत्काल उसे सीएचसी ले गए। वहां से गंभीर हालत में युवती को रेफर कर दिया गया। फिलहाल युवती का उपचार कानपुर स्थित अस्पताल में जारी है। कोतवाल विनोद राजपूत ने बताया कि भाई की तहरीर पर एक नामजद समेत पांच के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

मजदूरों का श्रम एवं ई-श्रम पंजीकरण जरूरी : प्रेम कुमार

बिलारी। फतेहपुर नत्था में गुरुवार को नेशनल एकेडमी फॉर सोशल मूवमेंट एवं नागरिक एकता परिषद की ओर से मजदूर पाठशाला आयोजित की गई। ह्यूमन राइट डिफेंडर प्रेम कुमार ने मजदूरों को श्रम एवं ई-श्रम पंजीकरण कराने तथा सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए दस्तावेज अपडेट रखने की जानकारी दी। उन्होंने भूमिहीन परिवारों से अपने अधिकारों के लिए दावा फार्म उपजिलाधिकारी एवं जिलाधिकारी को देने की अपील की। साथ ही श्रमिकों के लिए कम से कम पांच हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन की मांग की। इस दौरान राजेश, विशाल, कल्लू, कुलदीप, मुक़तसिंह, राजू, रतिया और राकेश आदि मौजूद रहे।

ऐतिहासिक विरासत देखने फतेहपुर सीकरी पहुंचे कपिल राज

फतेहपुर सीकरी। सामाजिक कार्यकर्ता कपिल राज ने ऐतिहासिक नगरी फतेहपुर सीकरी का भ्रमण कर बुलंद दरवाजा, जामा मस्जिद, शेख सलीम चिश्ती की दरगाह, पंच महल, दीवान-ए-खास, दीवान-ए-आम, जोधाबाई महल, बीरबल का मकान और अनूप तालाब सहित विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि फतेहपुर सीकरी भारत की समृद्ध ऐतिहासिक एवं स्थापत्य विरासत का महत्वपूर्ण प्रतीक है। युवाओं को ऐतिहासिक धरोहरों को करीब से जानने और उनके संरक्षण के प्रति जागरूक होने की जरूरत है।

अनुप्रिया सिंह को कृष्ण की आकर्षक पेंटिंग बनाने पर मिला आशीर्वाद

बिलारी । शाहाबाद रोड स्थित योगशाला में आयोजित कार्यक्रम के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की आकर्षक पेंटिंग बनाने पर अनुप्रिया सिंह को आशीर्वाद देकर उत्साहवर्धन किया गया। मुख्य योग शिक्षक निहाल सिंह लाठर, नागरिक मंच के संयोजक सामाजिक कार्यकर्ता संजय सक्सेना, केपी सिंह एवं रचना सिंह ने अनुप्रिया के प्रयास की सराहना की और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षण एवं स्वच्छता सामग्री वितरित

अमरपुर काशी, बिलारी

विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित श्रीमती मीरा अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, अमरपुर काशी में प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

विद्यालय के प्रबंधक श्रीराम अग्रवाल ने नर्सरी से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों को निशुल्क शिक्षण सामग्री वितरित की। इसमें नोटबुक, पेन किट, पेंसिल, शार्पनर और स्केल के साथ स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के लिए मंजन व ब्रश दिए गए। कार्यक्रम में आचार्य परिवार ने पहल की सराहना की।

प्रधानाचार्य ने अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

30 हजार रुपये का इनामी बदमाश प्रभात रावत गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। थाना कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे 30 हजार रुपये के इनामी बदमाश प्रभात रावत को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, 27 अप्रैल 2026 को सिंहनिवास निवासी जयसिंह रावत ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपियों ने एकराय होकर उसके साथ गाली-गलौज करते हुए लोहांगी, सरिया और डंडों से मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों द्वारा 315 बोर की बंदूक एवं पिस्टल से जान से मारने की नीयत से फायर करने का भी आरोप लगाया गया था। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 326/26 दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। मामले में पुलिस पूर्व में 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी थी, जबकि आरोपी प्रभात रावत पुत्र करन सिंह रावत उम्र 34 वर्ष निवासी सिंहनिवास फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर द्वारा 24 अगस्त 2026 को 30 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की गई थी। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर फरार आरोपी की तलाश के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रामदास प्रजापति एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री सचिन कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे ने पुलिस टीम गठित की। टीम द्वारा लगातार आरोपी की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान 7 सितंबर को कोतवाली पुलिस ने प्रभात रावत को शिवपुरी रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया। 15 अपराध दर्ज, जिला बदर और हद्द की कार्रवाई भी- पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है। उसके खिलाफ पूर्व से लूट, हत्या के प्रयास, अड़ीबाजी, मारपीट, बलवा एवं आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में कुल 15 अपराध दर्ज हैं। आरोपी के खिलाफ पूर्व में जिला बदर एवं एनएसए की कार्रवाई भी की जा चुकी है। पुलिस टीम की रही सराहनीय भूमिका- कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे, उपनिरीक्षक आदित्य प्रताप सिंह राजावत, सुमित शर्मा, विवेक भट्ट, अरविंद छारी सहित प्रधान आरक्षक गजेन्द्र परिहार, विनय सिंह, अवतार सिंह, आरक्षक राहुल कुमार, देवेन्द्र रावत, कुलदीप चतुर्वेदी, रनवीर शर्मा, राहुल रजक, सुमित सेंगर, महिला आरक्षक सीतू सिंह एवं आरक्षक चालक शरद यादव की विशेष भूमिका रही।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जनपद कार्यालय में महत्वपूर्ण बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ नटेरन। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जनपद कार्यालय नटेरन में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व जनपद सदस्य अंशुज शर्मा ने किया। इस दौरान महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने, उन्हें रोजगार से जोड़ने तथा स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में प्रतिभा और मेहनत की कमी नहीं है, आवश्यकता है उन्हें उचित मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और बाजार उपलब्ध कराने की। महिलाओं को स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जोड़कर विभिन्न रोजगारमूलक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों की बिक्री के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर भी चर्चा हुई। जनपद सदस्य अंशुज शर्मा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं तक सीमित न रहे, बल्कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए धरातल पर ठोस प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं आत्मनिर्भर होंगी तो परिवार के साथ-साथ पूरे क्षेत्र की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। बैठक में महिला स्व-सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने, प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी प्रत्येक गांव तक पहुंचाने और महिलाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की दिशा में समन्वित प्रयास करने पर जोर दिया गया। बैठक को क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। स्थानीय स्तर पर महिलाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें रोजगार से जोड़ने की दिशा में ऐसे प्रयास आने वाले समय में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दे सकते हैं।

मंडलायुक्त ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में स्थिति का लिया जायज़ा

क्यूँ न लिखूँ सच /आज बदायूँ मंडलायुक्त बरेली मंडल, बरेली शंभू कुमार ने जिलाधिकारी अवनीश राय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, उपजिलाधिकारी दातागंज विनोद कुमार, अधिशासी अभियंता बाढ़ खंड उमेश चन्द्र एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ तहसील दातागंज अंतर्गत ग्राम भुण्डी पहुंचकर स्थानीय लोगों का हाल जाना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से ग्राम रहपुरा एवं कदम नगला में बाढ़ की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली तथा राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की।

मंडलायुक्त ने कहा कि वर्तमान में बाढ़ की स्थिति नियंत्रण में है और नदी आबादी से दूर है। उन्होंने बताया कि कुछ स्थानों पर कटान की स्थिति उत्पन्न हुई थी, जिस पर बाढ़ खंड द्वारा आवश्यक कार्रवाई करते हुए स्थिति को नियंत्रण में लिया गया है। उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा किए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी भी ली। उन्होंने बताया कि प्रभावित लोगों को राहत सामग्री का वितरण किया गया है। साथ ही बाढ़ चौकियों एवं बाढ़ शरणालयों को लोगों की सुविधा के लिए तैयार रखा गया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था की गई है तथा पशुओं की देखभाल के लिए पशुपालन विभाग भी सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

मंडलायुक्त ने कहा कि बाढ़ राहत से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं पर कार्य किया जा रहा है तथा संबंधित अधिकारियों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर उसका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्थानीय लोगों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा उन्हें प्रशासन की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया।

मंडलायुक्त ने कहा कि बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सीडीओ ने निर्माण एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में निर्माण कार्यों से संबंधित बैठक की। बैठक में समस्त संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं प्रशासकीय विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। सीडीओ ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माणाधीन समस्त कार्यों को गुणवत्तापरक ढंग से निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

सीडीओ ने विधान मंडल क्षेत्र विकास निधि एवं सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों की परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, बदायूँ एवं संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के साथ समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में स्वीकृत समस्त कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापरक ढंग से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कार्यों की प्रगति पर विशेष ध्यान देते हुए निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसके उपरांत सीडीओ ने विकास भवन सभागार में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारियों के साथ की। उन्होंने विभागीय योजनाओं एवं निर्धारित लक्ष्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि समस्त विभागीय लक्ष्यों की पूर्ति निर्धारित समयावधि में सुनिश्चित की जाए। सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्यों में तेजी लाते हुए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें तथा कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए। इस अवसर पर समस्त सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

अवैध शराब पर प्रशासन सख्त, मैदानी अमले को निगरानी के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन, भंडारण एवं विक्रय पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने निगरानी तंत्र मजबूत कर दिया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देश पर आबकारी विभाग द्वारा लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। साथ ही अवैध शराब से संबंधित सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग ने नियंत्रण कक्ष स्थापित कर संपर्क नंबर जारी किए हैं। प्रशासन ने मैदानी स्तर पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। पटवारी और राजस्व निरीक्षक सहित अन्य मैदानी अमले को क्षेत्र में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन, भंडारण अथवा बिक्री की जानकारी मिलने पर तत्काल संबंधित थाना प्रभारी को सूचना देने के लिए कहा गया है। इसी प्रकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, नगरीय निकायों के कर्मचारी एवं वार्ड प्रभारी भी अपने-अपने क्षेत्र में ऐसी गतिविधियों की जानकारी संबंधित मजिस्ट्रेट अथवा थाना प्रभारी तक पहुंचाएंगे। प्रशासन का उद्देश्य अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के साथ किसी भी अप्रिय स्थिति को समय रहते रोकना है। जिला आबकारी अधिकारी द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों को पत्र भेजकर मैदानी अमले को इस संबंध में आवश्यक निर्देश देने के लिए कहा गया है। मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के तहत अवैध रूप से मदिरा का निर्माण, परिवहन, कब्जा अथवा विक्रय दंडनीय अपराध है।

भाजपा जिला कार्यालय विदिशा में सिरोंज विधायक ने सहयोग सेल के माध्यम से समस्याएँ सुनी

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ जिला भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में सिरोंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री उमाकांत शर्मा ने पार्टी के सहयोग सेल के माध्यम से नागरिकों और कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम के दौरान सिरोंज एवं आसपास के क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी मूलभूत समस्याओं जैसे पेयजल, सड़क, बिजली, राशन और राजस्व संबंधी आवेदनों को विधायक के समक्ष रखा। विधायक श्री उमाकांत शर्मा ने आवेदकों की समस्या को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान जिला भाजपा महामंत्री श्री बलवीर रघुवंशी तथा वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे। ?भाजपा का सहयोग सेल जनता और प्रशासन के बीच सेतु का कार्य करता है। संगठन के माध्यम से अंतिम व्यक्ति की समस्याओं का समाधान करना पार्टी की प्राथमिक संकल्पबद्धता है।

थाना सिविल लाइन पुलिस नें इनामी वांछित अभियुक्त को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूँ एसएसपी के निर्देशन में अपराध नियन्त्रण व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में तथा प्रभारी निरिक्षक थाना सिविल लाइन की अगुवाई में थाना सिविल लाइन पुलिस द्वारा आज थाना सिविल लाइन पर पंजीकृत मु0अ0सं0 561/25 धारा 109(1), 115(2) बीएनएस व मु0अ0सं0 318/26 धारा 261, 262 बीएनएस में वाँछित/ पुलिस अभिरक्षा से फरार 25,000 रुपये के इनामी अभियुक्त सुरजन सिंह पुत्र रामबहादुर सिंह नि0 फिरोजपुर इकलहरी थाना सिविल लाइन बदायूँ को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से मु0अ0सं0 561/25 धारा 109(1), 115(2) बीएनएस की घटना में प्रयुक्त एक अदद नाजायज तमंचा 315 बोर मय 02 अदद जिंदा कारतूस बरामद किये गये । गिरफ्तार अभियुक्त को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

डिजिटल अरेस्ट के छह आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई, पीड़ित से ठगे थे 57.89 लाख रुपये

पीलीभीत में पुलिस ने 57.89 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले में अंतरराज्यीय गिरोह के छह सदस्यों पर शिकंजा कस दिया है। पुलिस ने सरगना मनीष समेत छह आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की है।

डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर लोगों से लाखों रुपये की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय साइबर गिरोह के खिलाफ पीलीभीत पुलिस ने प्रदेश की पहली गैंगस्टर कार्रवाई की है। साइबर क्राइम पुलिस थाने में गिरोह के सरगना मनीष कुमार समेत छह आरोपियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाजविरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस के मुताबिक गिरोह के सदस्य फर्जी सीबीआई, ईडी, सीबीसीआईडी और मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारी बनकर लोगों को वीडियो कॉल करते थे।

इसके बाद फर्जी वारंट और डिजिटल अरेस्ट जैसे काल्पनिक कानून का भय दिखाकर रकम अपने खातों में ट्रांसफर करा लेते थे।

अफसर बनकर दंपती को धमकाया था मामला थाना कोतवाली क्षेत्र के जेल लाइन निवासी जगमोहन सैनी से हुई साइबर ठगी की जांच के दौरान सामने आया।

जगमोहन सैनी ने 21 दिसंबर 2024 को साइबर क्राइम पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था

कि नौ अगस्त से 22 अगस्त 2024 के बीच अज्ञात लोगों ने उन्हें और उनकी पत्नी को व्हाट्सएप वीडियो और ऑडियो कॉल की। आरोपियों ने खुद को सीबीसीआईडी, सीबीआई, सुप्रीम कोर्ट और मुंबई क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताया। फर्जी वारंट भेजकर कार्रवाई और गिरफ्तारी का भय दिखाया गया। इसके बाद डिजिटल अरेस्ट कर अलग-अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर कराई गई। पीड़ित से की थी 57.89 लाख रुपये की ठगी

पुलिस के मुताबिक इस तरह पीड़ित से 57 लाख 89 हजार 776 रुपये की ठगी की गई। विवेचना में मनीष कुमार, विकास वर्मा, राजेंद्र शर्मा उर्फ राजन, प्रशांत चौहान और संजय बाबी देशवाल के नाम सामने आए। साइबर क्राइम पुलिस टीम ने पांचों को पांच सितंबर 2025 को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 24 सितंबर 2025 को फैसल सिद्दकी को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 11 मोबाइल फोन, चार लाख रुपये नकद, 13 फर्जी आधार कार्ड, चार चेकबुक, दो पासबुक, तीन एटीएम कार्ड और तीन सिम कार्ड बरामद किए गए थे। पुलिस ने विवेचना पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किए। मामला न्यायालय में विचाराधीन है। एसपी सुकीर्ति माधव ने बताया कि डिजिटल अरेस्ट के आरोपियों के खिलाफ प्रदेश में यह पहली गैंगस्टर कार्रवाई है। इस कार्रवाई के बाद फर्जी जांच एजेंसियों का अधिकारी बनकर लोगों को डराने और साइबर ठगी करने वाले गिरोहों पर पुलिस की सख्ती बढ़ने की उम्मीद है।

अचानक टूट गई पुलिया, भैंसा तैरकर निकल गया, युवक नहर में हुआ लापता

बंदेश अपने भैंसा सहित नहर में गिर गए। भैंसा तो कुछ आगे नहर के एक किनारे पर मिल गया, लेकिन नहर के पानी में लापता युवक का देर शाम तक पता नहीं चल सका।खैर के गांव शिवाला कला और अहरौला मार्ग के बीच नहर पर बनी करीब चार फीट चौड़ी जर्जर पैदल पुलिया का करीब 10 फीट लंबा हिस्सा अचानक टूटकर गिर गया। इससे वहां से निकल रहे बंदेश (36) पुत्र विजेंद्र सिंह अपने भैंसा सहित नहर में गिर गए। घटना मंगलवार की सुबह करीब दस बजे की है। भैंसा तो कुछ आगे नहर के एक किनारे पर मिल गया, लेकिन नहर के पानी में लापता युवक का देर शाम तक पता नहीं चल सका। देश मुनमूसा, नौझील, जिला मथुरा के मूल निवासी थे और करीब आठ वर्ष से अपनी ससुराल गांव शिवाला कला में रह रहे थे। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे वह अपना भैंसा लेकर शिवाला कला से अहरौला की ओर जा रहे थे तभी पुलिया का करीब 10 फीट लंबा हिस्सा टूटकर नहर में गिरने से वह भी भैंसा सहित पानी में गिर गए। राहगीरों के जरिये खबर मिलते ही ग्रामीणों के साथ परिजन मौके पर पहुंच गए।सूचना पर खैर कोतवाली इंस्पेक्टर राजीव कुमार भी पुलिस और फायर ब्रिगेड कर्मियों सहित पहुंच गए। हाइड्रा के जरिये नहर के पानी में गिरे पुलिया के मलबा को हटवाया गया और वहां भी बंदेश की तलाश की गई। एसडीआरएफ, पुलिस, फायर ब्रिगेड कर्मी और ग्रामीणों ने पूरे दिन नहर के पानी में तलाश की लेकिन बंदेश का पता नहीं चल सका है। परिजन का रो-रोकर बुरा हाल था।नहर की गहराई अधिक है और पानी का बहाव तेज है। सिंचाई विभाग को जानकारी देकर नहर में पानी रुकवा दिया गया है

Does it take time to extract pomegranate seeds? These simple tricks will come in handy.

If you're also finding it time-consuming to extract pomegranate seeds, read this article. Here, we'll share some tips and tricks. Pomegranates are considered both delicious and beneficial for health, but extracting the seeds before eating them can be a hassle for many. This is why many people avoid including pomegranate in their diet, even if they want to. If you're also finding it time-consuming to extract pomegranate seeds, worry no more. With a few simple tips and the right method, you can extract pomegranate seeds in no time. You don't need any special equipment. You just need to know how to cut the pomegranate correctly and separate the seeds from the peel. Let's explore some simple and effective methods for extracting pomegranate seeds. 1. Make a light cut with a knife. Wash the pomegranate and cut off a small portion at the top. Then, make a light line cut from top to bottom on the fruit. Now, open it into separate pieces with your hands. This will make it easier to remove the seeds. 2. Using the water method: Break the pomegranate into pieces and place it in a large vessel filled with water. Slowly separate the seeds under the water. The seeds will settle to the bottom, while a thin layer of peel may float. This makes it easier to separate the seeds from the peel. Use a spoon to cut the pomegranate in half. Hold one piece in your hand. Place the cut side over a vessel and gently tap the back of the spoon. The seeds will fall into the vessel. First, roll the pomegranate on a table or kitchen counter for a few seconds, applying light pressure with your palm. This will loosen the seeds inside. After this, cut the pomegranate and remove the seeds easily. When removing the seeds by hand, avoid pressing too hard on the pomegranate, as this could cause the seeds to burst, and the juice could leak out, dirtying your hands and surrounding area. Gently remove the peel and separate the seeds. Important Tip: Wash the pomegranate thoroughly before cutting it. The utensil and knife you use to remove the seeds should also be clean. After removing the seeds in the water method, strain them through a sieve to remove any excess water.

How to distinguish between genuine and fake ghee? Learn easy ways to check its purity.

Recently, FSSAI banned companies that were selling adulterated ghee. If you've purchased ghee from the market, be sure to check its purity at home. How to check the purity of ghee at home? 1. The Refrigerator Test: Put a small amount of ghee in a clean glass or steel container and refrigerate it for a few hours. After it solidifies, carefully observe the texture and layers of the ghee. If the ghee appears to be frozen in unusual layers or there is a significant difference in texture, its quality should be questioned. 2. Melt the ghee: Heat a small amount of ghee and melt it, noting its color, smell, and texture. Generally, good quality ghee appears uniform upon melting. If the ghee exhibits an unusual odor, excessive residue, or distinct layers, be wary. 3. Pay attention to the smell and color. The smell of ghee can also provide an early indication of its quality. Ghee generally has its own distinctive aroma. If there's a strong artificial fragrance, strange odor, or rancidity, double-check before purchasing or using it. Similarly, don't judge the purity of ghee by its color alone, as different types of ghee can vary. Read the label: When purchasing packaged ghee, carefully read the complete information on the package. Check the FSSAI license number, ingredients, manufacturing and expiry dates, batch number, and manufacturer's information. Simply stating "100% Pure" or "100% Natural" does not guarantee the purity of the ghee. 5. Don't consider home tests as final proof. Home tests are only useful for preliminary testing. They do not confirm that the ghee is 100% pure. If there is a strong suspicion of adulteration, an accredited lab test is the most reliable method for testing a food product. What to do if adulteration is suspected? If the ghee's taste, smell, color, texture, or packaging appear suspicious, avoid using it regularly. Keep the ghee's packet, bill, and batch number safe. If necessary, a complaint can be lodged through the Food Safety Department or the relevant consumer complaint system.

A devastating Ebola outbreak has hit this country, with over 2,300 deaths in three months; one life lost every half hour.

The Democratic Republic of Congo is grappling with the Ebola epidemic. 2,325 people have died from the virus in the country in the past three months. According to statistics, one person is dying every half hour. The Democratic Republic of Congo has been experiencing an Ebola epidemic for the past few months. The current Ebola outbreak was officially declared on May 15, 2026. According to recently released government figures, approximately 5,000 people have been infected with the virus in Congo so far, and 2,325 have died. In addition to Congo, Uganda is also being affected. The United Nations has also expressed concern about the spread of Ebola in Congo. According to the UN, Ebola is spreading at a record pace in Congo, claiming the life of one person every 30 minutes. Congo has previously been affected by Ebola from 2018 to 2020, however, this time the infection and spread are at a much more dangerous level. Congo is currently in the grip of its 17th Ebola outbreak. Health organizations are urging people in affected areas to continue taking precautions. Many countries, including India, have provided necessary assistance to Congo to combat this Ebola outbreak. However, many organizations have expressed concern that the lack of adequate cooperation from local people is one of the biggest challenges at this time. Due to delays in testing and a lack of adequate treatment, this infectious disease is causing significant hardship for people. This is the first time such a dangerous Ebola outbreak has been witnessed. According to international media reports, Ebola is not new to Congo; this is the 17th outbreak. However, this time the death toll has exceeded the previous major outbreak between 2018 and 2020. During that time, 3,481 cases were reported and 2,299 people died. The most worrying aspect of this outbreak is its speed. No previous Ebola outbreak has infected and killed people so rapidly. The WHO says that if the infection continues at this pace, it could surpass the 2014-16 Ebola outbreak in West Africa. That outbreak is considered the deadliest in Ebola history, killing over 11,000 people. The threat of Ebola in other countries is not limited to Congo and Uganda; it has spread to other countries as well. In a June 24 report, we reported that the first case of Ebola had been reported in France. A doctor returning from a humanitarian mission in Congo was confirmed to be infected with the deadly virus. Suspected Ebola cases have been reported in India as well, although no confirmed cases have been reported. It's not just the virus itself, but several ground conditions are also increasing the risk. The Ebola virus currently spreading in Congo is the Bundibugyo virus. There is currently no approved vaccine or treatment for routine use. However, clinical trials for vaccines and treatments are underway in Congo's Ituri province. Medical teams responding to Ebola are also facing significant challenges. Some health workers are on strike due to unpaid salaries. There are threats from rebel groups. Long-suffering locals are also angry with the health system and authorities. Roads leading to many areas are in poor condition, making it difficult to reach patients and affected areas. Furthermore, misinformation spread on social media and locally is also exacerbating the problem. In some places, people are unwilling to even believe that Ebola is a real disease. On August 13th, UN humanitarian aid chief Tom Fletcher announced that an additional $30.5 million in aid was being provided to combat Ebola. He also announced that 20 more personnel would be sent to the frontlines. Calling this a "warning signal," Fletcher said that swift, large-scale, and collaborative action is needed to prevent the virus from spreading further. However, the situation on the ground suggests otherwise. The vaccine is available, but its effectiveness is unknown. The WHO reported that Congo will receive 70,000 doses of the Evebo vaccine. This is the same vaccine that has proven effective during previous Ebola outbreaks. These doses are being provided from the global stockpile of Ebola vaccine stored worldwide. Of these 70,000 doses, 20,000 will be used in a large, final-stage clinical trial to determine how much protection this vaccine can provide against the Bundibugyo virus. It's important to understand one important point here. The Ervebo vaccine is already approved for use against Ebola. However, it has not yet been approved for use against the Bundibugyo virus. The WHO states that it is not yet known whether the vaccine can provide protection against the Bundibugyo virus in humans. This is why the clinical trials currently underway are extremely important.

Vaani Kapoor posed in a bikini for her birthday, drawing comments from celebrities and fans.

Vaani Kapoor sent fans into a frenzy by posing in a bikini on her birthday. Fans and celebrities are showering her with praise. Renowned Bollywood actress Vaani Kapoor is currently in the news for her upcoming film "Badtameez Gill." Meanwhile, she has given her fans a treat with this post. The actress has posed stunningly in a bikini, and users are praising her photos. What's in Vaani Kapoor's post? Vaani Kapoor is celebrating her 38th birthday today. On this day, she shared stunning photos of herself in a blue bikini. In one photo, she poses in a swimming pool. In another, she sits by the pool. In another, she shows off her glamorous style. What caption did Vaani Kapoor write? Sharing her photos on Instagram, the actress wrote in the caption... Another year around the sun. Trying less to understand things. Focusing more on living the moment. More life, more laughter and I am ready for everything that comes next. Users liked the pictures- Vaani Kapoor has created a stir on social media with her pictures. Rashi Khanna has commented a fire emoji on her pictures. Nimrat Kaur has wished her a happy birthday. A fan wrote 'Bollywood's hottest actress'. Another user has called her a 'catastrophe'. Vaani Kapoor's work front- Let us tell you that Vaani Kapoor entered Bollywood with 'Shuddh Desi Romance'. She is going to be seen in the film 'Badtameez Gill'. In this, she will be seen with Aparshakti Khurana and Paresh Rawal. She will soon be a part of the film 'Sarvggun Sampanna'.

Why is the character of "Jeet" special to Sunny Deol? Post shared on the film's 30th anniversary

Bollywood actor Sunny Deol's film "Jeet" has completed 30 years. To mark the occasion, the actor shared an emotional post with fans on social media. On Sunday, Sunny Deol posted a video from the film "Jeet" on Instagram. Along with this post, he also wrote a message to his fans. The actor also explained why the 1996 film "Jeet" and the character of Karan he played in it were special to him. Why is the film "Jeet" close to his heart? Sunny Deol expressed his happiness on the completion of 30 years of the film "Jeet." He shared several scenes from the film in a video. He captioned it, "The film 'Jeet' has completed 30 years. Karan, his love, his anger, and his sacrifice were very special. This is a character that remains in my heart even today." Thank you all for giving this film so much love for 30 years. What was the story of the film 'Jeet'? Directed by Raj Kanwar, 'Jeet' was released in 1996. Sunny Deol starred alongside Salman Khan, Karisma Kapoor, Tabu, and Amrish Puri. The film dealt with themes of love, loyalty, revenge, and sacrifice. Sunny played Karan, a man torn between his emotions and circumstances. What is Sunny Deol doing on the career front? - Sunny Deol's film 'Partition 1947' was recently released. The film also stars Preity Zinta, Shabana Azmi, Karan Deol, Ali Fazal, and Abhimanyu Singh in important roles. The film was directed by Rajkumar Santoshi and produced under the banner of Aamir Khan Productions. The film did not do well at the box office.

Karisma Kapoor loved this look in the 90s, it's still trending today; she said, "I'm lucky that..."

Karisma Kapoor captivated people with her look in the 90s. However, even after so many years, this look is still being adopted by the younger generation. The actress recently shared her reaction to this in a conversation. Actress Karisma Kapoor's styling was much-talked about in Bollywood during the 90s. She left a distinct impression in every role. Her cool look is still trending among the new generation. During a conversation, the actress spoke extensively about her memorable fashion. What did Karisma say about her style? Karisma Kapoor has played a variety of roles in films, whether it's the emotional girl in "Raja Hindustani" or the innocent wife in "Coolie No. 1." In a conversation with ANI, she explained how each role brought a new style to her. Karisma said, "I am very fortunate to have had the opportunity to play so many different looks and characters. My favorites are the looks from "Haseena Maan Jaayegi" and "Dulhan Hum Le Jayenge." I think the style of cargo pants and fitted crop tops in "Haseena Maan Jaayegi" was very comfortable. Even after so many years, people still follow that look. It's considered as comfortable today as it was then." Kangana also praised Karisma - Recently, actress Kangana Ranaut shared a childhood photo of herself on social media, along with a note for Karisma. She also wrote, 'Who was a fan of the original fashionista Karisma Kapoor in the 90s? I definitely was.' Apart from this, Kangana also played Karisma's famous song 'Le Gayi... Le Gayi' from the film 'Dil To Pagal Hai' in the background music of the post. Karisma Kapoor's work front - Actress Karisma Kapoor was recently seen in the web series 'Brown'. Apart from this, she has also appeared in reality shows like 'India's Best Dancer'. Karisma's last film was 'Murder Mubarak' released in 2014.